शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय दुर्ग
नैक से 'B++' ग्रेड एवं स्टार कॉलेज (डी.बी.टी.) की अधिमान्यता प्राप्त महाविद्यालय

कैम्पस न्यूज

वर्ष - 5
अंक - 7
वर्ष -2022

देसी डे का आयोजन

महाविद्यालय में नृत्य विभाग द्वारा देसी-डे कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि इस तरह के कार्यक्रम होने से महाविद्यालय की छात्राओं को अपनी प्रतिभा को दिखाने का अवसर मिलता है। देसीडे का कार्यक्रम 2017 से प्रारंभ हुआ था लेकिन कोरेना काल में दो साल ऑनलाईन किया गया जिसमें छात्राओं का उत्साह देखते बनता है।

वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. डी.सी. अग्रवाल ने कहा कि इस तरह के अवसर छात्राओं में प्रोत्साहन का कार्य करते है, प्रोत्साहन छात्राओं में ऊर्जा का संचार करते है। प्रभारी प्राध्यापक डॉ. ऋचा ठाकुर ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि इस तरह की प्रतियोगिता में हार-जीत तो लगी रहती है, लेकिन जिन छात्राओं ने नृत्य के माध्यम से अपने हुनर को प्रदर्शित किया वे सभी हमारे लिए विजयी है। प्रस्तुति देना ही अपने आप में विजेता का प्रतीक होता है। इस अवसर पर देसीडे के लगभग 38 समूह आये। खासियत सभी समूह के नाम हिन्दी में और कुछ नाम देवी के नाम से रखे गये। पूरे महाविद्यालय की छात्राओं ने भारतीय परिधान पहने। शक्ति, अप्सरा, गरबा, रास, लास्य, कुष्मांडा आदि नाम थे। चित्रकला प्रतियोगिता में 76 छात्राएँ थी उन्होनें नवदुर्गा स्वरूप पर कला दिखाई। इतिहास विभाग ने इस अवसर पर भारत शक्तिपीठ पर कोलाज /पोस्टर स्पर्धा रखी गई। कोलाज / पोस्टर प्रतियोगिता (देसी डे) प्रथम- सुषमा विश्वकर्मा, द्वितीय-आशा साहू तथा तृतीय-प्रगति निषाद, सांत्वना - साक्षी नायक, निर्णायक डॉ. सुचित्रा खोब्रागड़े, व डॉ. यशेश्वरी ध्रुव रही। (देसीडे) चित्रकला विभाग द्वारा चित्रकला प्रतियोगिता किया गया जिसमें प्रथम स्थान-प्राची, द्वितीय स्थान-दीपशिखा शर्मा एवं पायल सिन्हा तृतीय स्थान-प्रीति बरूआ, सविता चांद, सांत्वना पुरस्कार- मुस्कान प्रधान, डॉली साहू, यामिनी चक्रधारी रही। निर्णायक डॉ. सुनीता गुप्ता एवं कुमारी वर्षा त्रिपाठी थी। देसीडे (गरबा) प्रतियोगिता में प्रथम स्थान-अप्सरा ग्रुप तथा द्वितीय स्थान -सांवरिया ग्रुप एवं तृतीय स्थान पर नृत्य स्तम्भ रहा। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापकण एवं छात्रायें बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

अपनी बात

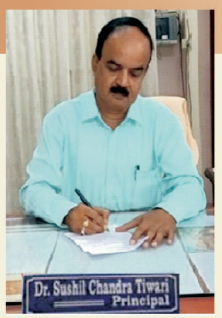

दुर्ग संभाग में उच्च शिक्षा के नित नये-आयाम गढ़े गए है। कन्या शिक्षा के क्षेत्र में हमारा महाविद्यालय उत्कृष्ठ परीक्षाफल ही नहीं बल्कि - खेलकूद, सांस्कृतिक-साहित्यिक गतिविधियों में भी अग्रणी रहा है।

''कैम्पस न्यूज एक आईना है जो हमारी शैक्षणेत्तर गतिविधियों को प्रदर्शित करती है। किसी भी संस्था का गौरव वहाँ के विद्यार्थी और शिक्षक होते हैं जिनके सम्मिलित प्रयासों से गुणवत्ताा पूर्ण सफलता मिलती है।

नैक मूल्यांकन हो या विश्वविद्यालयीन परीक्षाओं का परिणाम इसकी स्पष्ट झलक हमारे महाविद्यालय में दिखाई देती है। पैरेंट्स मीटिंग में अभिभावकों के साथ संवाद और छात्राओं के सुझावों ने हमें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया है। 'कैम्पस न्यूज की यह अंक हमारी संस्था की प्रगति का ही नहीं हमारी छात्राओं एवं शिक्षकों के संकल्प का लेखा-जोखा है। हमें इस पर गर्व है।

चित्रकला प्रतियोगिता आयोजन - चित्रकला विभाग

प्रतियोगिता में महाविद्यालय के कुल 76 विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। इनके द्वारा माँ दुर्गा के नव स्वरुपों पर आधारित विषय पर कई नए नए रचनात्मक चित्रकारी की गई। सभी चित्रों को मनमोहक रूप से चित्रकला विभाग के गलियारे में कोलाज के रूप में प्रदर्शित किया गया इस प्रतियोगिता की प्रदर्शनी का उद्घाटन करते हुए प्राचार्य डॉ. सुशीलचन्द्र तिवारी ने कहा कि इससे छात्राओं का कौशल विकास होगा। उन्होंने छात्राओं के भारी उत्साह की प्रशंसा की। विभागाध्यक्ष डॉ. ऋचा ठाकुर (नृत्यविभाग) ने कहा देसी डे में भारतीय परंपरा को दर्शाती ये चित्रकला प्रदर्शनी दूसरी छात्राओं को भी प्रेरणा देगी।

प्रभारी प्राध्यापक तृप्ति खरे (सहा. प्राध्यापक मूर्तिकला), इतिहासविभाग की सहा. प्राध्यापक शबीना बेगम एवं बी. ए. तृतीय वर्ष चित्रकला के विद्यार्थी टिवंकल, रिया, भारती, राजकुमारी, ज्योति, शबनम, कोमल, विधि, नीता, एकता एवं मनीषा का विशेष सहयोग रहा। प्रतियोगिता के निर्णायक डॉ सुनीता गुप्ता एवं कु. वर्षा त्रिपाठी थे। चित्रकला में प्रथम स्थान कु. प्राची (बी.ए. II) का रहा। प्राची ने माँ दुर्गा के नवस्वरुपों का चित्र बनाया इनके चित्र में कलमकारी तथा मधुबनी शैली का सम्मिश्रण दिखाई देता है। क्रमशः द्वितीय स्थान दीप शिखा शर्मा तथा पायल सिन्हा, तृतीय स्थान श्रीमति बारूआ एवं सविता चांद, सांत्वना पुरस्कार में मुस्कान प्रधान, डॉली साहू एवं यामिनी चक्रधारी रहे।

महाविद्यालय की छात्राओं का मिला महाराजा अग्रसेन मेरिट अवार्ड

यह अवार्ड प्रतिवर्ष कन्या महाविद्यालय की पांच छात्राओं को महाराजा अग्रसेन के नाम से स्थापित कोष से दिये जाते है। जिनमें प्रत्येक छात्रा को नगद प्रोत्साहन राशि के साथ-साथ स्मृति चिन्ह भी प्रदान किये जाते हैं। महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. डी.सी. अग्रवाल ने बताया कि समाज के संरक्षक श्री विजय अग्रवाल द्वारा प्रदत्त राशि के ब्याज से प्रतिवर्ष शिक्षा एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में इस तरह की प्रोत्साहन सहायता राशि उपलब्ध करायी जाती है।

कार्यक्रम में डॉ. ऋचा ठाकुर एवं डॉ. के.एल. राठी के अलावा पुरस्कृत छात्राओं के पालक तथा महाविद्यालय की अनेक छात्रायें भी उपस्थि थी। कार्यक्रम में सम्मानित होने वाली छात्रायें - कु. आशना आफरीन (बी.ए.), कु. मानसी सिंह राजपूत (बी.एससी. गृहविज्ञान), कु. लाईबा नूर (बी.एससी. बायो), कु. आकांक्षा इंग्ले (बी.कॉम.) एवं कु. प्रियंका गोयल (बी.कॉम.-1)

'इनोवेटिव ट्रेन्ड्स इन रिसर्च' - सात दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

महाविद्यालय में शोध समिति के द्वारा सात दिवसीय ''इनोवेटिव ट्रेन्ड्स इन रिसर्च'' कार्यशाला का अयोजन किया गया।

विभिन्न विषयों में शोधरत् छात्राओं एवं स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष की छात्राओं के लिये महत्वपूर्ण इस कार्यशाला में नवीन, बौद्धिक और शैक्षिक उद्देश्यों की विस्तृत जानकारी देने के लिए इस कार्यशाला का आयोजन किया गया।

आरम्भ सत्र में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने अपने उद्बोधन में कहा कि शोध के क्षेत्र में नवाचार एवं सारगर्भित जानकारियाँ अत्यन्त आवश्यक है जो शोधकार्य को गुणवत्तापूर्ण बनाने में सहायक होती है। स्नातकोत्तर कक्षाओं के विद्यार्थियों को शोध के विभिन्न आयामों से परिचित होना आवश्यक है जिससे आगे जब वे इस क्षेत्र में कार्य करें तो उन्हें सैद्धांतिक एवं प्रयोगिक कार्य में कठिनाई न हो। कार्यशाला की संयोजक डॉ. रेशमा लाकेश ने बताया कि उच्च स्तरीय अनुसंधान में उच्च उपकरणों के अनुप्रयोग की तकनीक जानना प्रत्येक शोधार्थी के लिए आवश्यक है जिसके लिए उपयोगी एवं व्यवहारात्मक विषयवस्तु का चुनाव करने की क्षमता का विकास करने के लिए इस सात दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

इस कार्यशाला में अनुसंधान में नवीन प्राविधियाँ, स्टेस्टिक्स के मूलभूत सिद्धांत, शोध पत्रिकाओं का चुनाव, शोधपत्रों का प्रकाशन, शोधपत्रों की प्रस्तुति, प्लेगरिज्म की जानकारी विभिन्न विषय-वक्ता द्वारा प्रदान की गई। जिसमें आरएसआर रूंगटा कॉलेज के प्रोफेसर डॉ. आजनेय शर्मा, डॉ. रंजिता तिवारी मिश्रा, डॉ. प्रीति नवीन यादव, डॉ. लोकेश सिंह, सुश्री शिरीन कौसर, डॉ. अुनराग शर्मा ने प्रतिदिन उपस्थित होकर विद्यार्थियों को सारगर्भित जानकारी दी।

विद्यार्थियों ने कार्यशाला में बड़ी संख्या में भाग लिया। आभार प्रदर्शन डॉ. सुषमा यादव ने किया।

लक्ष्मी का चयन साहसिक शिविर में

महाविद्यालय की बी.ए. भाग-3 की छात्रा कु. लक्ष्मी साहू का चयन राष्ट्रीय सेवा योजना क्षेत्रीय निर्देशालय भोपाल तथा उच्च शिक्षा विभाग रायपुर के द्वारा धर्मशाला हिमाचल प्रदेश में आयोजित राष्ट्रीय स्तर के साहसिक शिविर के लिए हुआ हैं

यह शिविरि 21 से 30 अक्टूबर 2022 तक आयोजित किया गया है। दुर्ग जिले से केवल 2 विद्यार्थियों का चयन किया गया है।

राष्ट्रीय सेवा योजना अधिकारी डॉ. यशेश्वरी ध्रुव एवं डॉ. सुचित्रा खोब्रागड़े ने हर्ष व्यक्त करते हुए आज लक्ष्मी को हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला के लिए टीम के साथ खाना किया।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी एवं वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. डी.सी. अग्रवाल, डॉ. के.एल. राठी ने भी बधाई दी है।

डीबीटी स्टार कॉलेज के तहत
विज्ञान स्नातक छः दिवसीय कार्यशाला आयोजित

महाविद्यालय में डीबीटी स्टॉर कॉलेज योजना के अंतर्गत महाविद्यालय की बी.एससी. की समस्त छात्राओं के लिये इन्स्ट्रुमेंनटेशन पर छः दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में विशेषज्ञ के रूप में अल्फा सांइटिफिक के श्री दिगंबर सिंग उपस्थित थे। कार्यशाला का शुभारंभ करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने कहा कि भारत सरकार के बॉयो टेक्नॉलोजी विभाग द्वारा प्रायोजित स्टार योजना के अंतर्गत स्नातक स्तर के विद्यार्थियों को शोध-परक प्रायोगिक ज्ञान देने हेतु इन्स्ट्रूमेनटेशन पर कार्यशाला आयोजित की गई। जिसमें उपकरणों के सिद्धांत कार्य प्रणाली एवं रख-रखाव के बारे में विशेषज्ञ द्वारा जानकारी दी जावेगी।

डीबीटी स्टॉर कॉलेज योजना प्रभारी डॉ. सुनीता गुप्ता ने उक्त कार्यशाला के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। उक्त कार्यशाला में विभिन्न प्रयोगिक उपकरणों जैसे पोलारीमीटर, रिफरेक्ट्रोमीटर, स्पेक्ट्रफोटोमीटर, फ्लेम फोटोमीटर, पीएच मीटर, टर्बिडिटी एवं निफेलोमीटर, कंडक्टोमीटर, कोलोरीमीटर के सिद्धांत एवं कार्यप्रणाली को विशेषज्ञ श्री दिगबंर सिंग द्वारा विस्तार से समझाया गया। कार्यक्रम में आभार प्रदर्शन डॉ. लता मेश्राम ने किया।

फुटबॉल प्रतियोगिता में गर्ल्स कॉलेज विजेता

हेमचंद यादव विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित अन्तर महाविद्यालयीन महिला फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन स्थानीय शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्वशासी महाविद्यालय दुर्ग में किया गया। जिसमें कन्या महाविद्यालय दुर्ग की टीम विजेता रहीं।

इस प्रतियोगिता में कुल 04 टीम के लगभग 60 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता नॉकआउट पद्धति से खेली गई। फाईनल में शासकीय कन्या महाविद्यालय दुर्ग ने शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्वशासी महाविद्यालय दुर्ग को एकतरफा 4-0 से परास्त किया।

महाविद्यालय की टीम में निशा भोई कप्तान, चांदनी नेताम, हीना निर्मलकर, उर्मिला निर्मलकर, लक्ष्मी सिन्हा, नंदिनी देवांगन, योगेश्वरी निषाद (गोल कीपर), रेणु यादव, सुमन यादव, नंदिनी निर्मलकर, श्रुति यादव, गुंजन ग्वाल, कुमकुम साहू, सरस्वती गेंडरे। टीम मैनेजर डॉ. ऋतु दुबे, प्रशिक्षक श्री मुकेश श्रीवास्तव थे। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी एवं महाविद्यालय परिवार ने खिलाड़ियों को शुभकामनायें दी। पिछले वर्ष हेमचंद यादव विश्वविद्यालय टीम में महाविद्यालय के बारह खिलाड़ी चयनीत हुए थे।

गर्ल्स कॉलेज में देसी डे

कोलाज/पोस्टर प्रतियोगिता - इतिहास विभाग द्वारा देसी डे के उपलक्ष्य में 'भारत के शक्तिपीठों पर आधारित' कोलाज/पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया ।

इस प्रतियोगिता में महाविद्यालय की कुल 11 छात्राओं ने भाग लिया। छात्राओं द्वारा भारत के विभिन्न शक्तिपीठों की फोटो और हाथों से चित्र बनाकर तथा विभिन्न तरीकों से सजा कर कोलाज को रचनात्मक स्वरुप दिया गया। छात्राओं द्वारा बनाये गए कोलाज/ पोस्टर का प्रदर्शन भी महाविद्यालय में किया गया। प्रतियोगिता के विजेताओं का निर्णय 2 निर्णायकों महाविद्यालय की राजनीति विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. सुचित्रा खोब्रागढ़े तथा हिंदी विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. यशेश्वरी ध्रुव द्वारा किया गया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान बी.एस.सी द्वितीय वर्ष की छात्रा सुषमा विश्वकर्मा को प्राप्त हुआ। द्वितीय स्थान आशा साहू (बी.ए.II), तृतीय स्थान प्रगति निषाद (बी.ए.III) तथा एक सांत्वना पुरस्कार साक्षी नायक (बी.ए.III) को प्राप्त हुआ।

प्रतियोगिता को लेकर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चंद्र तिवारी ने प्रतियोगिता के सफल आयोजन हेतु शुभकामनायें देते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों में छात्राओं की भूमिका प्रमुख है। इतिहास विभाग द्वारा इस प्रकार का आयोजन प्रथम बार करवाया गया। इस प्रकार के आयोजन से छात्राओं की इतिहास विषय में रूचि बढ़ेगी और वे अपने देश व क्षेत्र के इतिहास से भी परिचित होंगी। भविष्य में भी इस प्रकार के आयोजन होते रहने चाहिए।

प्रतियोगिता का आयोजन डॉ. ऋचा ठाकुर (विभागाध्यक्ष, नृत्य विभाग) के मार्गदर्शन में सम्पूर्ण हुआ। इन्होंने इस प्रतियोगिता को लेकर प्रारंभ से रूचि दिखाई। इतिहास विषय की सहायक प्राध्यापक डॉ. शबीना बेगम ने प्रतियोगिता का संचालन किया। साथ ही चित्रकला - मूर्तिकला विभाग की सहा. प्राध्यापक कु. तृप्ति खरे का भी पूरा सहयोग रहा। इस प्रतियोगिता को सफल बनाने में महाविद्यालय की नीलम सिंग, वाणी साहू एवम् अन्य छात्राओं का भी भौतिक सहयोग प्राप्त हुआ।

डीबीटी स्टार कॉलेज स्कीम के तहत प्रयोगशाला स्टॉफ की
दो दिवसीय कार्यशाला

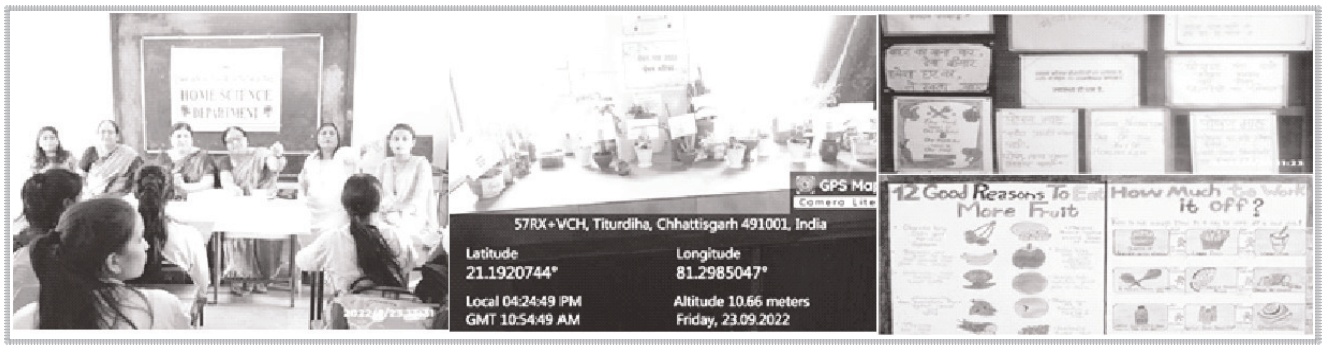

महाविद्यालय में डीबीटी स्टॉर कॉलेज योजना के अंतर्गत महाविद्यालय में कार्यरत् प्रयोगशाला तकनीशियन एवं प्रयोगशाला सहायकों के लिए दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में विशेषज्ञ के रूप में अल्फा सार्इंटिफिक के श्री दिंबम्बर सिंग उपस्थित थे। कार्यशाला का शुभारंभ करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने कहा कि भारत सरकार के बायो टेक्नोलॉजी विभाग द्वारा प्रायोजित स्टॉर योजना के अंतर्गत स्नातक स्तर के विद्यार्थियों को शोध-पक्क प्रायोगिक ज्ञान देने विभिन्न कार्यशालाओं का आयोजन एवं प्रशिक्षण किया जा रहा है। विज्ञान प्रयोगशालाओं की महत्वपूर्ण कड़ी प्रयोगशाला तकनीशियन एवं परिचारक होते है जिन्हें आधुनिक उपकरणों की कार्यप्रणाली से प्रशिक्षित करना आवश्यक है।

इस कार्यशाला में विशेषज्ञ द्वारा विभिन्न डिजिटल उपकरणों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। जो कि विद्यार्थियों के लिये भी लाभप्रद होगा। डीबीटी स्टॉर कॉलेज स्कीम की प्रभारी डॉ. सुनीता गुप्ता ने इस योजना पर प्रकाश डालते हुए कार्यशाला के कार्यवृत्त की जानकारी दी। इस कार्यशाला में विभिन्न प्रायोगिक उपकरणों जैसे स्पेक्ट्रोफोटोमीटर, पीएच मीटर, कंडक्टोमीटर, फ्लेम फोटोमीटर, सेंट्रीफ्यूज, माइक्रोटोम, टर्बिडिटी एवं निफेलोमीटर एवं पोलॉरीमीटर के सिद्धांत एवं कार्यप्रणाली को विशेषज्ञ श्री दिगम्बर सिंग द्वारा विस्तार से समझाया गया। उक्त कार्यशाला में दुर्ग एवं बस्तर संभाग के विभिन्न महाविद्यालय से प्रयोगशाला तकनीशियन एवं परिचारक उपस्थित हुए। जिन्हें प्रशिक्षण उपरांत प्रमाण पत्र प्रदान किया गया।

इतिहास विभाग द्वारा शिक्षक दिवस आयोजित

महविद्यालय के इतिहास विभाग में शिक्षक दिवस समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशीलचंद्र तिवारी, डॉ. ऋचा ठाकुर (विभागाध्यक्ष, नृत्यविभाग), शबीना बेगम (सहायक प्राध्यापक, इतिहास), तृप्ति खरे (सहायक प्राध्यापक, मूर्तिकला) और इतिहास विभाग की छात्राएं उपस्थित रहे।

शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में विभाग में प्राचार्य महोदय द्वारा डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णनजी केफोटो पर माल्यार्पण किया गया और उनके द्वारा छात्रों को शिक्षकदिवस और इतिहास विषय की महत्ता बताते हुए इस विषय के अंतर्गत पुरातत्व जैसे रोजगारोन्मुखी विषयों से परिचित करवाया गया। डॉ. ऋचा ठाकुर ने डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णनजी के जीवन और व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला।

मूर्तिकला विषय की सहायक प्राध्यापक तृप्ति खरे ने कला और इतिहास का अन्तर्सम्बन्ध बताते हुए दोनों विषय को एक दूसरे का पूरक बताया। इतिहास विषय की सहायक प्राध्यापक शबीना बेगम ने प्राचीन भारत में गुरु परम्परा और गुरु की महत्ता के बारे में छात्राओं को बताया। बी.ए. तृतीय वर्ष की कु. नेहा साहू और बी.ए. द्वितीय वर्ष की मानसी रावते द्वारा शिक्षकदिवस पर कविता की प्रस्तुति दी गयी। अंत में सभी छात्राओं के नृत्य और संगीत के द्वारा यह कार्यक्रम संपन्न किया गया।

साक्षरता सप्ताह आयोजित

महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वय द्वारा साक्षरता सप्ताह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर साक्षरता जागरूकता हेतु रैली निकाली गई। साक्षरता जागरूकता हेतु संगोष्ठी का आयोजन किया गया इस अवसर पर सम्बोधित करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने कहा कि किसी भी देश की साक्षरता की दर बढ़ती है तो वो देश भी तेजी से विकास करता है। साक्षर व्यक्ति खुद के बौद्धिक विकास के साथ-साथ सामाजिक व आर्थिक विकास में भी अपना योगदान देता है।

मुख्य वक्ता डॉ. ऋचा ठाकुर ने कहा कि साक्षरता का सही अर्थ यही है कि स्त्री व पुरूष सभी साक्षर होने का महत्व समझें। शिक्षित होने पर व्यक्ति जीवन में सफलता प्राप्त कर सकता है। हर मुश्किल का सामना आसानी से कर सकता है।

अतिथि वक्ता डॉ. रीता गुप्ता साहित्यकार ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि भारत का पूर्ण साक्षर बनाने हेतु सरकार कृत संकल्प है। जिसमें प्रत्येक सदस्यों का सहयोग आवश्यक है। साक्षरता से ही समाज का विकास संभव है।

साक्षरता जागरूकता के अंतर्गत पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें प्रथम-रिया बारले, द्वितीय स्थान पर लक्ष्मी साहू रही। रंगोली प्रतियोगिता में प्रगति निषाद प्रथम, पायल साहू द्वितीय एवं नेहा देशमुख तृतीय स्थान पर रही। प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त छात्राओं को राष्ट्रीय सेवा योजना स्थापना दिवस पर पुरस्कृत किया जावेगा।

कार्यक्रम का संचालन कु0 हर्षिता एवं आभार प्रदर्शन डॉ. यशेश्वरी ध्रुव ने किया।

राष्ट्रीय सेवा योजना अधिकारी डॉ. सुचित्रा खोब्रागड़े, सलाहकार समिति के सदस्य डॉ. मोनिया राकेश सिंह, श्रीमती ज्योति भरणे एवं अंशु धृतलहरे, नम्रता बंजारे, गीतांजली, ढालेश्वरी, पूजा चेलक आदि छात्रायें उपस्थित रही। रासेयो के सहायक श्री विमल यादव विशेष रूप से उपस्थित रहे।

विश्व ओजोन दिवस मनाया गया

महाविद्यालय में विश्व ओजोन दिवस मनाया गया। इस अवसर पर संगोष्ठी एवं विभिन्न प्रतियोगितायें आयोजित की गई। प्रभारी प्राध्यापक डॉ. सुनीता गुप्ता ने बताया कि इस वर्ष संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा दी गई थीम ''मोंट्रियल प्रोटोकॉल के 35 वर्ष पृथ्वी पर जीवन की सुरक्षा के लिए वैश्विक सहयोग'' पर केन्द्रित आयोजन किये जा रहे है। उन्होनें ओजोन सतह का महत्व एवं सतह पर होने वाले क्षरण के कारणों पर अपने विचार प्रस्तुत किए।

इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि वे अपने पर्यावरण संरक्षण के प्रति दायित्व को अपना कर्तव्य समझकर निष्ठापूर्वक योगदान देवें। इस अवसर पर विभिन्न प्रतियोगितायें रखी गई। पोस्टर प्रतियोगिता में 26 छात्राओं ने भाग लिया जिसमें प्रथम - गतिका, द्वितीय -जागृति ध्रुव एवं तृतीय सत्यभामा रहीं। सोमी सोनी एवं सुषमा विश्वकर्मा को सांत्वना पुरस्कार प्राप्त हुआ।

स्लोगन प्रतियोगिता में प्रथम - चंद्रमुखी, द्वितीय-डेमिन एवं तृतीय-नेहा यादव एवं सात्वना पुरस्कार- श्रुति आदित्य, ज्योतिलता को मिला। वहीं भाषण प्रतियोगिता में प्रथम-तनु कटारिया, द्वितीय हर्षिता एवं तृतीय राधिका रहीं तथा प्रेरणा, लक्ष्मी को सांत्वना पुरस्कार प्राप्त हुआ। निबंध प्रतियोगिता में 25 छात्राओं ने भाग लिया जिसमें हिन्दी माध्यम में प्रथम-पायषी यादव, रोशनी साहू-द्वितीय एवं नेहा-तृतीय स्थान पर रहें तथा अंग्रेजी माध्यम में प्रथम-मानसी गुप्ता, सौम्या ड़डसेना-द्वितीय एवं प्रेरणा शर्मा-तृतीय स्थान पर रही।

निर्णायक के रूप में डॉ. आरती गुप्ता, डॉ. ऋचा ठाकुर, डॉ. मीरा गुप्ता, डॉ. यशेश्वरी ध्रुव तथा डॉ. लता मेश्राम ने इस प्रतियोगिताओं में निर्णय प्रदान किया।

स्त्री रोग पर व्याख्यान आयोजित

महाविद्यालय में यूथ रेड क्रॉस के तत्वाधान में स्त्री रोग पोलिसिस्टिक ओवरी डिसीज पर व्याख्यान आयोजित किया गया। यूथ रेड क्रॉस प्रभारी डॉ. रेशमा लाकेश ने जानकारी देते हुए बताया कि महिलाओं में होने वाली यह आम समस्या बन गई है। जिससे महिलाओं को जागरूक एवं जानकारी में रहना होगा।

मुख्य वक्ता एम्स रायपुर की जूनियर मेडिकल ऑफिसर श्रीमती डॉ. जी.वी. मेश्राम ने बताया कि इस बीमारी में हॉर्मोन्स के कारण गर्भाशय में छोटी-छोटी गांठे बन जाती है। और इन्हीं के कारण महिलाओं में बड़े स्तर पर हॉर्मोनल बदलाव होने लगता है। साथ ही दिनचर्या प्रभावित हो जाती है। इसे समय रहते ईलाज से ठीक किया जा सकता है। यह बीमारी गलत खान-पान के कारण होती है। इस अवसर पर रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल के डायटिशियन डॉ. रिमशा लाकेश ने बताया कि उचित आहार और खान-पान में बदलाव से सफल परिणाम प्राप्त हुए है। उन्होनें कहा कि वर्तमान में युवाओं में अनेक मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य संबंधी समस्यायें देखी जा रही है। जिसे आहार और पोषण के संतुलन से दूर किया जा सकता है।

इस अवसर पर हेमचंद यादव विश्वविद्यालय के कुलसचिव श्री भूपेन्द्र कुलदीप एवं प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने भी स्वास्थ्य जागरूकता के लिये यूथ रेडक्रॉस द्वारा किये जा रहे प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम का संचालन डॉ. रेशमा लाकेश ने किया तथा आभार प्रदर्शन डॉ. अनुजा चौहान ने किया।

हिन्दी दिवस पर व्याख्यान आयोजित

भावनाओं की अभिव्यक्ति का श्रेष्ठ माध्यम हिन्दी

महाविद्यालय में स्नातकोत्तर हिन्दी विभाग द्वारा हिन्दी दिवस का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. रीता गुप्ता, सहायक प्राध्यापक हिन्दी, शासकीय दानवीर तुलाराम महाविद्यालय, उतई के सानिध्य में सम्पन्न हुआ।

मुख्य अतिथि ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि राष्ट्र की पहचान उसकी भाषा होती है यह उसकी अस्मिता है, आन-बान और शान है, देश की उन्नति चाहते है तो हमें अपने भाषा से स्नेह करना चाहिए। उन्होनें भारतेन्दु हरिशचन्द्र की हिन्दी से संबंधित पंक्तियों का उल्लेख करते हुए कहा कि - ''निज भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति को मूल। बिन निज भाषा ज्ञान के, मिटत न हिय को शूल।।'' महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने कहा कि हिन्दी सबसे बड़ी संपर्क भाषा है विश्व स्तर पर अंग्रेजी भाषा का ही प्रयोग होता है किन्तु अर्थ यह नहीं कि हमारी भाषा पिछड़ी है, हमारी भावनाओं को व्यक्त करने का सबसे उच्च माध्यम हिन्दी ही है, उन्होनें साहित्य लेखन के लिए छात्राओं को प्रोत्साहित किया। डॉ. ऋचा ठाकुर ने कहा कि हिन्दी को राजभाषा का दर्जा 14 सितम्बर 1949 को प्राप्त हुआ, आज बोलचाल में अंग्रेजी का वर्चस्व हो गया है 'श' का उच्चारण स के रूप में करते है ये गलत है उच्चारण शुद्ध होना चाहिये। उसे सम्मान देना चाहिये। श्रीमती ज्योति भरणे ने कहा कि हिन्दी विश्व की समृद्धतम भाषाओं में से एक है भारत के विशाल भू-भाग में बोली जाने वाली भाषा हिन्दी में भारतवासियों की आत्म मुखरित होती है। इस अवसर पर हिन्दी विभाग की खुशबू हरमुख, निधि ताम्रकार, फलेश्वरी, पूजा चेलक, वर्षा, लक्ष्मी साहू, भूमिका साहू, रिया बारले आदि अनेक छात्राओं ने इस अवसर पर अपने विचार रखे। प्राचार्य द्वारा नवनियुक्त पदाधिकारियों को शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम का संचालन कु. हर्षिता व आभार प्रदर्शन डॉ. यशेश्वरी ध्रुव ने किया।

कॉलेज में पोषण माह

महाविद्यालय के गृह विज्ञान विभाग द्वारा पोषण माह का आयोजन किया गया विभागाध्यक्ष डॉ. अमिता सहगल ने बताया कि इस अवसर पर कई कार्यक्रम जैसे पोषण पोस्टर प्रदर्शनी पोषण वाटिका का निर्माण एवं पोषण क्विज प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.सुशीलचंद्र तिवारी ने कहा कि विभाग द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम विद्यार्थियों एवं समाज के लिए अत्यंत उपयोगी है यह कार्यक्रम लोगों को अपने पोषण के प्रति जागरूक करने एवं कुपोषण को दूर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने छात्राओं को यह जानकारी अपने आस-पास के लोगों को प्रदान कर पोषण के प्रति जागरूक करने के लिए प्रोत्साहित किया।

कार्यक्रम प्रभारी डॉ मीनाक्षी अग्रवाल ने बताया कि पोस्टर प्रदर्शनी के अंतर्गत लगभग 40 छात्राओं ने भाग लिया जिन्होंने पोस्टर के माध्यम से संतुलित भोजन, पोषण थाली, गर्भावस्था एवं धात्री अवस्था में पोषण, पोषक तत्व एवं उनके लाभ से संबंधित पोस्टर का प्रदर्शन किया। छात्राओं को ऑर्गेनिक खेती एवं पोषण उद्यान के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से पोषण वाटिका का निर्माण कराया गया, जिसमें छात्राओं ने उत्साह से भाग लिया। उन्होंने ना केवल पोषण वाटिका तैयार की बल्कि उनसे होने वाले लाभ की जानकारी भी प्रदान की। रसोई में काम आने वाले विभिन्न प्रकार के मसालों जैसे राई, जीरा, धनिया, अजवाइन, कड़ी पत्ता, हल्दी, तुलसी, प्याज, मेथी, लहसुन आदि लगभग 35 पौधे को उगाया और उनके लाभ से संबंधित जानकारी प्रदर्शित की। स्लोगन प्रतियोगिता में छात्राओं ने स्लोगन के माध्यम से लोगों को संतुलित आहार लेने एवं जंक फूड से दूर रहने और कुपोषण से बचने के उपाय बताए। क्विज के अंतर्गत पोषण से संबंधित प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया गया जिसमें छात्राओं ने उत्साह से भाग लिया सही उत्तर देने वाली छात्राओं को पुरस्कृत भी किया गया। पोषण माह के आयोजन में डॉ अलका दुग्गल, डॉ रेशमा लाकेश, डॉ तोषिना तैलंग एवं सुश्री तबस्सुम अली का विशेष योगदान रहा।

गुरू संग गोठ आयोजित

गतिविधि के माध्यम से आशा का संचार आवश्यक

महाविद्यालय में विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस के अवसर पर एक वृहद् कार्यक्रम गुरू संग गोठ - जिंदगी न मिलेगी दोबारा आयोजित किया गया। महाविद्यालय की वुमेन सेल के तत्वाधान में आयोजित कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने सम्बोधित करते हुए कहा कि वर्तमान समय में आत्महत्या की घटनायें लगातार बढ़ रही है। किशोर एवं युवावर्ग इन घटनाओं में ज्यादा प्रभावित हो रहा है। पारिवारिक समस्या, प्रेम-प्रसंग में असफलता, बेरोजगारी, नशे की लत एवं मानसिक तनाव आत्महत्या का प्रमुख कारण देखा गया है। उन्होनें कहा कि परेशानी दबाकर या छिपाकर न रखें इसे परिवार या दोस्तों के साथ साझा करें। परिवार के सदस्यों और दोस्तो का भी नैतिक दायित्व है कि वे निराकरण का प्रयास करें तथा मदद करें।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए डॉ. रेशमा लाकेश ने विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से आशा का संचार कैसे किया जाये इस पर सारगर्भित उद्बोधन दिया। महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. अल्का दुग्गल ने आत्महत्या के कारणों पर प्रकाश डालते हुए उसके समाधान के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला। उन्होनें मनोविकार की चर्चा करते हुए कहा कि बहुत सी शारीरिक बीमारियाँ मानसिक तनाव के कारण ही होती है। हन्दी विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. यशेश्वरी ध्रुव ने कहा कि अवसाद से ग्रस्त युवा पीढ़ी को हिम्मत और हौसला बढ़ाने की जरूरत

है और हम सबका यह सम्मिलित प्रयास होना चाहिये कि हम अवसाद ग्रस्त की समस्या को समझें और उसके निराकरण के दिशा में अपना महत्वपूर्ण योगदान दें। कार्यक्रम में यूथ रेडक्रॉस की छात्राओं ने भी अपने विचार रखें। कु. कावेरी, कु. महक परवीन, मनीषा धृतलहरे, करूणा, फातिमा निजामी, प्रेरणा शर्मा, लुभना, संगीता आदि ने अपने विचार रखें। प्राचार्य ने सभी छात्राओं को संकल्प दिलाया कि वे समाज के उत्थान में अपनी सक्रिय भागीदारी देंगी और ऐसा कोई भी कार्य नहीं करेंगी जो परिवार और महाविद्यालय के हित में ना हो। आभार प्रदर्शन डॉ. सुषमा यादव ने किया।

चित्रकला विभाग द्वारा शिक्षक दिवस आयोजित

महाविद्यालय में चित्रकला/मूर्तिकला विभाग द्वारा शिक्षक दिवस मनाया गया।

इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशीलचंद्र तिवारी, डॉ. ऋचा ठाकुर (विभागाध्यक्ष नृत्य विभाग), शबीना बेगम (सहा. प्राध्यापक, इतिहास), तृप्ति खरे (सहा. प्राध्यापक, मूर्तिकला) उपस्थित रहे। विभाग में आदरणीय प्राचार्य महोदय द्वारा डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन जी के फोटो एवं सरस्वती माँ की मूर्ति पर माल्यार्पण कर शिक्षक दिवस का शुभारंभ किया। विभाग के छात्राओं ने गुरूजनों का पुष्प द्वारा स्वागत किया। प्राचार्य महोदय ने नृत्य, इतिहास, एवं कला पर महत्वपूर्ण रोजगार परक व्याख्यान दिया।

कार्यक्रम में विभागाध्यक्ष डॉ. ऋचा ठाकुर ने डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णनजी के जीवन और व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला एवं उन्होंने विभाग की गतिविधियों एवं उपलब्धियों को बताया। इतिहास की सहा. प्राध्यापक शबीना बेगम ने अपने कला पर प्रकाश डालते हुए कला और इतिहास का अंतर्संबंध बताया।

मूर्तिकला की सहा. प्राध्यापक तृप्ति खरे ने कला की महत्ता बताते हुए छात्राओं का कला के प्रति रुझान बढ़ाया। उन्होंने कहा मूर्ति कला विषय पर नए बच्चों ने प्रवेश ले लिया है, कक्षा प्रारंभ हो गई है तथा छात्राएं मूर्तिकला सीखने में उत्साहित हैं। चित्रकला, मूर्तिकला की छात्राओं द्वारा नयी छात्राओं का तिलक लगाकर स्वागत किया गया।

नृत्य विभाग द्वारा नवप्रवेशी छात्राओं का स्वागत

नृत्य विभाग द्वारा नव प्रवेशी छात्राओं का स्वागत एवं शिक्षक दिवस आयोजित महाविद्यालय के नृत्य विभाग द्वारा शिक्षक दिवस का आयोजन किया गया । विभाग की छात्राओं ने शिक्षकों का रोली तिलक लगाकर सम्मान किया उसके साथ ही नृत्य विषय की प्रथम वर्ष की छात्राओं के लिये स्वागत समारोह भी रखा गया । महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ सुशील चन्द्र तिवारी ने कहा कि - इस महाविद्यालय में नृत्य संगीत जैसे विषयों में छात्राओं लगातार रुझान बढ़ रहा है, ये विषय रोजगारोन्मुखी हैं ।

इतिहास विषय की सहायक प्राध्यापक शबीना बेगम ने कहा कि स्नातक स्तर पर जब उन्होंने यह विषय लिया तब उन्हें नृत्य नही आता था किंतु रुचि थी । यहाँ सीखते हुए उन्होंने युवा उत्सव में विश्विद्यालय का प्रतिनिधित्व करते हुए असम में अपनी प्रतिभा दिखाई । उनके आत्मविश्वास में वृद्धि हुई। मूर्तिकला की सहायक प्राध्यापक तृप्ति खरे ने कहा कला एक साधना है । प्रकृति में मौजूद हर वस्तु का आकार, रंग कला से परिपूर्ण है ।

विभागाध्यक्ष डॉ ऋचा ठाकुर ने बताया कि उनके विभाग में हर वर्ष आज के दिन नव प्रवेशी छात्राओं का स्वागत होता है। उन्होंने विभाग की गतिविधियों एवं उपलब्धियों को बताया । अंतिम वर्ष की ललिता, अनामिका, अफ़रोज़, सुरुचि ने सभी नई छात्राओं का तिलक से स्वागत किया । द्वितीय वर्ष की ओमिषा, उर्मिला ,सेवंती ने फूलों से शिक्षकों का सम्मान किया । अंत मे सभी छात्राओं ने भूमिप्रणाम किया और अंत्याक्षरी, कविताओं के माध्यम से शिक्षक दिवस मनाया।

राष्ट्रीय खेल दिवस का आयोजन

महाविद्यालय में खेल दिवस का आयोजन मेजर ध्यानचंद के जन्मदिवस के अवसर पर किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने मेजर ध्यानचंद के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित किया। खेल दिवस के अवसर पर महाविद्यालय की 44 खिलाड़ी छात्राओं को सम्मानित किया गया जिन्होनें महाविद्यालय की ओर से हेमचंद यादव विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया। इस अवसर पर एक परिचर्चा का आयोजन भी किया गया जिसका विषय था - खेलकूद को बढ़ावा देने हेतु प्राथमिक स्तर पर क्या किया जाना चाहिये, जिसमें खिलाड़ियो ने अपने विचार रखे। खिलाड़ियों को सम्बोधित करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने मेजर ध्यानचंद की उपलब्धियाँ बताते हुए उन्होनें कहा कि विषम परिस्थिति में भी उन्होनें अपने लक्ष्य को प्राप्त किया तो आप भी कर सकते। बस अपने निर्धारित लक्ष्य में अड़े रहिये।

महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. डी.सी. अग्रवाल ने मेजर ध्यानचंद के जीवन पर प्रकाश डाला तथा उनके जीवन से संबंधित प्रेरणादायक घटनाओं की जानकारी दी।

डॉ. सुचित्रा खेब्रागड़े क्रीड़ा समिति के संयोजक ने खिलाड़ियों को शुभकामनायें देते हुए अच्छे खिलाड़ी बनने को प्रेरित किया।

इस अवसर पर महाविद्यालय की 44 छात्राओं को ट्रैकसूट प्रदान कर सम्मानित किया गया। रिया वर्मा, निशा नेताम, श्वेता सेन, खुशबू असोड़िया, पूनम नायक, रीतिक, विद्या, अमिशा गिरी, एम. नागमणी सभी बॉस्केट बॉल, प्रतिमा साहू- एथलेटिक्स, सुमन यादव, नंदनी निर्मलकर, दामिनी हरपाल, सुभांगी सुब्बा, निशा भोई, हीना निर्मलकर, लक्ष्मी सिन्हा, योगेश्वरी निषाद, चांदनी नेतमा, लक्ष्मी यादव, श्रुति यादव, उर्मिला निर्मलकर- सभी फुटबॉल, रमा दत्ता-बैडमिंटन, पी.तनुजा-बॉक्सिंग, मनप्रीत कौर, सुषमा, दिव्या साहू- व्हॉलीबॉल, राजेश्वरी सिन्हा-हॉकी, जया सोरी-कुश्ती, दुर्गा स्वामी, सुनिधी मिश्रा, प्रिया, तिवारी, ए. अर्चना- सभी हैण्डबॉल, जागेश्वरी, मनस्वी निर्मलकर, प्रिया साव, सोनम निर्मलकर, गरिमा जंघेल, निधि सूर्यवंशी- सभी क्रिकेट, अर्चना सिंह-नेटबॉल, ऐश्वर्या वर्मा, चारू वर्मा-सॉफ्टबॉल। कार्यक्रम का संचालन डॉ. ऋतु दुबे ने तथा आभार प्रदर्शन डॉ. अनुजा चौहान ने किया। इस अवसर पर डॉ. ऋचा ठाकुर एवं श्रीमती रीता शर्मा, तथा पालकगण उपस्थिति थे।

मतदाता जागरूकता कार्यक्रम

महाविद्यालय के सभागार में स्वीप कार्यक्रम का आयोजन किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी, नोडल अधिकारी स्वीप डॉ. विजय वासनिक एवं कैम्पस एम्बेसडर कु. प्रेरणा शर्मा एवं कु. पूजा चेलक उपस्थित थे।

इस कार्यक्रम के अन्तर्गत वोटर हेल्पलाईन एप्प का उपयोग करने तथा ईपिक कार्ड को आधार कार्ड से लिंग करने की सम्पूर्ण प्रक्रिया से अवगत कराया गया। इस कार्यक्रम में उपस्थित छात्राओं ने तत्काल अपना ईपिक कार्ड को आधार से लिंक भी किया।

इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने महाविद्यालय की नव-प्रवेशित छात्राओं को मतदाता सूची में नाम जुड़वाने हेतु प्रेरित किया तथा स्वीप कार्यक्रम के मूल उद्देश्यों से अवगत कराया।

नोडल अधिकारी डॉ. विजय वासनिक ने सभी छात्राओं को मतदान में भाग लेने हेतु प्रेरित किया ताकि कोई भी मतदाता मतदान से न छूटे। महाविद्यालय की कैम्पस एम्बेसडर कु. प्रेरणा शर्मा एवं पूजा चेलक ने सभी छात्राओं को सुव्यवस्थित एवं शिक्षित मतदाता बनने के लिए प्रेरणादायी व्याख्यान दिया तथा कार्यक्रम में उपस्थित सभी छात्राओं तथा प्राचार्य महोदय के प्रति आभार व्यक्त किया।

महाविद्यालय में चित्रकला एवं मूर्तिकला विभाग द्वारा तीन दिवसीय माटी-शिल्प कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के उद्घाटन अवसर पर कार्यशाला की संयोजक डॉ. ऋचा ठाकुर ने बताया कि इसमें लगभग 115 छात्राओं ने अपनी सृजनात्मकता का परिचय दिया है। छात्राओं की सृजनशीलता

माटी शिल्प कार्यशाला आयोजित

छात्राओं ने बनायी मिट्टी की गणेश प्रतिमायें

प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने कहा कि इस कार्यशाला के माध्यम से छात्रायें मिट्टी के गणेश एवं अन्य मूर्तियाँ बनाना सीखेंगी। गणेश पक्ष को देखते हुए उन्हें इको फ्रेंडली गणेश बनाना सिखाया जा रहा है ताकि वे घर पर ही स्थापित कर उसका विसर्जन कर सके।

उद्घाटन अवसर पर छत्तीसगढ़कला परिषद के निदेशक श्री योगेन्द्र त्रिपाठी ने कहा कि सभी कलायें आपस में जुड़ी हुई हैं। अंतर्संबंध बनाये हुये ये एक-दूसरे का सौंदर्य बढ़ाती है।

को बढ़ावा देने मुख्य प्रशिक्षक श्री राजेन्द्र सुनगरिया को आमंत्रित किया गया है, जो स्वयं छ.ग. संस्कृति विभाग एवं यूनिसेक के साथ कार्य कर रहे हैं एवं शिल्प वर्ष संस्था के कलाकारों को मूर्तिशिल्प सिखा रहे हैं।

महाविद्यालय में इस वर्ष से मूर्तिकला एक विषय के रूप में पढ़ाया जा रहा है जिसकी सहायक प्राध्यापक तृप्ति खरे ने बताया कि इस कार्यशाला के लिए छात्राओं में बेहद उत्साह है।

डी बी टी स्टार कॉलेज स्कीम के तहत व्याख्यान श्रृंखला आयोजित

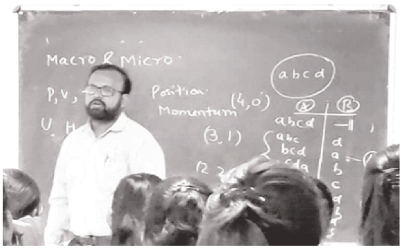

महाविद्यालय में भारत सरकार के बॉयोटेक्नालॉजी विभाग की स्टॉर कॉलेज योजनांतर्गत विशेष व्याख्यान श्रृंखला आयोजित की गयी।

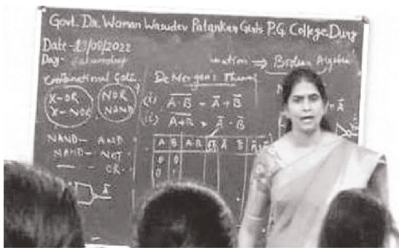

इसके अंतर्गत बी.एससी. भाग दो एवं तीन के विद्यार्थियों के लिए अंचल के विज्ञान विषय के विशेषज्ञों के व्याख्यान आयोजित किए गए। पाठ्यक्रम के महत्वपूर्ण हिस्सो की पढ़ाई विशेषज्ञों के माध्यम कराई गयी।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने बताया कि महाविद्यालय का भारत शासन की स्टार कॉलेज योजना में चयन शैक्षणिक गुणवत्ता की दिशा में सार्थक पहल है। इसके पहले चरण में विषय विशेषज्ञों के व्याख्यान आयोजित हुए है। महाविद्यालय के भौतिक शास्त्र के प्राध्यापक डॉ. अभिषेक मिश्रा एवं डॉ. कुसुमांजली देशमुख ने भौतिकी शास्त्र, भारती विश्वविद्यालय की प्रोफेसर समन सिद्दकी एवं श्री शंकराचार्य महाविद्यालय की डॉ. अनुपमा श्रीवास्तव, डॉ. सोनिया बजाज ने प्राणीशास्त्र के विभिन्न विषयों पर सारगर्भित जानकारी छात्राओं की दी। वनस्पतिशास्त्र में कल्याण महाविद्यालय के डॉ. जी.के. चंद्रौल एवं शासकीय महाविद्यालय खुर्सीपार की डॉ. पूर्णिमा सेठ, डॉ. प्रतिक्षा पाण्डेय ने व्याख्यान दिया। रसायनशास्त्र में सेंटथॉमस महाविद्यालय के डॉ. अरविन्द साहू एवं शासकीय नवीन महाविद्यालय बोरी की प्रोफेसर मीना चक्रवर्ती ने विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं का समाधान किया।

छात्राओं ने अपनी प्रतिक्रिया में इस तरह के व्याख्यानों पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा इससे जटिल विषयों को असानी से विशेषज्ञों के माध्यम से समझने का अवसर मिलता है। स्टॉर कॉलेज योजना प्रभारी डॉ. निसरीन हुसैन ने बताया कि अगली कड़ी में विद्यार्थियों को प्रोजेक्ट कार्य एवं शैक्षणिक भ्रमण कराया जावेगा जिसके अंतर्गत विभिन्न प्रयोगशालाओं में प्रैक्टिल करने का अवसर भी मिलेगा। प्रवेशकार्य के पश्चात् स्नातक प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों को भी इस योजना से जोड़ा जावेगा।

योग पर पोस्टर प्रदर्शनी एवं परिचर्चा

महाविद्यालय दुर्ग के एक भारत श्रेष्ठ भारत क्लब के अंतर्गत 'योग' से संबंधित पोस्टर प्रदर्शनी आयोजित की गई।

प्रदर्शनी का उद्घाटन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने किया। उन्होनें कहा कि इन पोस्टर के माध्यम से छात्राओं को योग का महत्व और भी सशक्त स्वरूप में समझ आयेगा। इस अवसर पर रखी गई परिचर्चा में उन्होनें युवा पीढ़ी और उनकी जीवन शैली में योग और ध्यान की आवश्यकता पर जोर दिया।

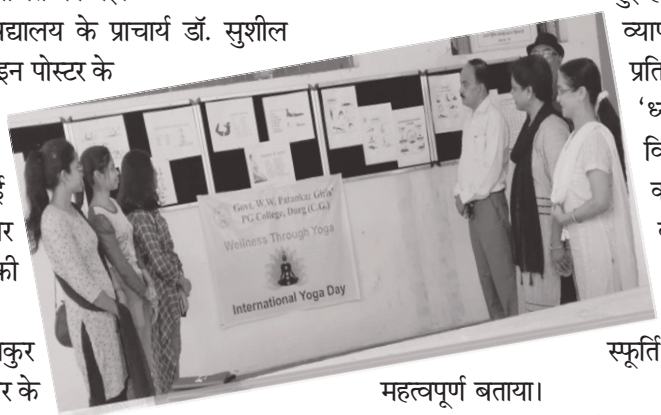

प्रभारी प्राध्यापक डॉ.ऋचा ठाकुर ने बताया कि इन पोस्टर में सूर्य नमस्कार के विभिन्न आसन एवं उनके मंत्रों को प्रदर्शित किया गया है। साथ ही योग के अभ्यास से विभिन्न रोगों एवं समस्याओं जैसे डायबिटिज, हृदय रोग, ब्रेस्ट कैंसर, क्रोध पर नियंत्रण, मयूरासन, वज्रासन आदि के लाभ दर्शित किये गये है। प्राध्यापक डॉ. आरती गुप्ता ने कहा कि वे स्वयं योग के माध्यम से ही गंभीर अस्थि रोग से स्वस्थ हुई है। कु. मधु पाण्डेय ने युवा पीढ़ी में व्याप्त असुरक्षा, हीन भावना, प्रतिस्पर्धा से निजात पाने के लिये 'ध्यान' करने की सलाह दी है। नृत्य विभाग की छात्रायें शारदा, दीपा, काजल ने भरतनाट्यम और योग की समानता को दिखाते हुये मुद्रायें प्रदर्शित की। छात्रा गरिमा गंगबेर ने शारीरिक और मानसिक स्फूर्ति के लिये ध्यान और योग को महत्वपूर्ण बताया।

इस अवसर पर आईक्यूएससी प्रभारी डॉ. अमिता सहगल, महिला प्रकोष्ठ संयोजक डॉ. रेशमा लाकेश, रासेयो प्रभारी डॉ. यशेश्वरी ध्रुव, डॉ. मिलिन्द अमृतफले, श्री योगेन्द्र त्रिपाठी सहित अनेक प्राध्यापक एवं छात्रायें उपस्थित थे।

एक भारत श्रेष्ठ भारत भ्रमण में छात्रायें शामिल

महाविद्यालय के एक भारत श्रेष्ठ भारत क्लब की दो छात्राओं ने आनंद गुजरात की मेजबानी में आयोजित छात्र-विनिमय कार्यक्रम में भाग लिया। महाविद्यालय की छात्रा प्रेरणा शर्मा (एम.ए. तृतीय सेम. भूगोल) एवं नीलम परिहार (एम.ए. तृतीय सेम. राजनीति शास्त्र ने बी.आई.टी. दुर्ग की अगुवाई में छत्तीसगढ़ के 50 छात्र-छात्राओं के दल के साथ राज्य का प्रतिनिधित्व किया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने उन्हें बधाई देते हुये बताया कि इस स्टूडेंट एक्सचेंज कार्यक्रम के माध्यम से देश का युवा वर्ग पड़ोसी राज्य की संस्कृति, खानपान, भौगोलिक एवं अन्य विशेषताओं को समझ पायेगा। छात्राओं ने इस भ्रमण के दौरान स्टेच्यू ऑफ यूनिटी, सरदार सरोवर बांध, अमूल डेयरी प्लांट, साईंस सिटी अहमदाबाद साबरमती आश्रम, पटेल स्मारक आदि का भ्रमण किया। भ्रमण दल ने गुजरात की विभिन्न संस्कृति से संबंधित सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ देखी साथ ही अपने राज्य छत्तीसगढ़ के विभिन्न नृत्य गीतों एवं संस्कृति संबंधित सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ की। महाविद्यालय की नीलम ने भरत्नाट्यम की पुष्पांजलि एवं प्रेरणा ने छत्तीसगढ़ी एकल नृत्य प्रस्तुत किया। साथ ही इंस्टीट्यूट के निदेशक को नीलम परिहार द्वारा बनाई गई ''छत्तीसगढ़ महतारी'' की पेंटिंग भेंट की गई। नोडल अधिकारी डॉ. ऋचा ठाकुर ने बताया कि महाविद्यालय द्वारा एक भारत श्रेष्ठ भारत की गतिविधियाँ लगतार संचालित होती रहती है। भविष्य में भी महाविद्यालय की अन्य छात्राओं को भी ऐसे छात्र-विनिमय कार्यक्रमों में भाग लेने का अवसर मिलेगा। प्रेरणा शर्मा ने कहा कि इस भ्रमण के पश्चात् उनके आत्म विश्वास में बढ़ोत्तरी हुई है, वहीं नीलम परिहार ने प्राचार्य एवं महाविद्यालय का आभार किया कि उनके प्रयत्नों से जाना संभव हो पाया।

कौशल प्रशिक्षण कार्यशाला

महाविद्यालय में दो दिवसीय पाककला कौशल प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई। महाविद्यालय की जनभागीदारी समिति एवं एलुमनी संगठन के तत्वाधान में आयोजित कार्यशाला का शुभारंभ विधायक श्री अरूण वोरा के द्वारा किया गया। इस अवसर पर महापौर धीरज बाकलीवाल, जनभागीदारी अध्यक्ष श्रीमती प्रीति मिश्रा उपस्थित थी। श्री वोरा ने अपने उद्बोधन में कहा कि यहाँ की छात्राएँ पढ़ई एवं खेलकूद के क्षेत्र में काफी आगे है। कौशल विकास के क्षेत्र में भी छात्राओं को अग्रणी करने की आवश्यकता है। इस तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रम काफी सार्थक होते है।

महापौर धीरज बाकलीवाल ने भी इस प्रशिक्षण कार्यशाला की सराहना करते हुए इसके लिए जनभागीदारी समिति को बधाई दी। जनभागीदारी अध्यक्ष श्रीमती प्रीति मिश्रा एवं महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने भी छात्राओं को संबोधित किया।

कार्यशाला में मुख्य प्रशिक्षण एवं विशेषज्ञ पारूल मरकाम ने विभिन्न प्रकार के केक बनाने की विधियाँ बताई तथा बेकिंग, आईसींग की विभिन्न प्रक्रियाओं को बहुत ही सरल तरीके से बताया। कार्यशाला में श्रीमती अंजू बाकलीवाल, अंकिता स्वर्णकार, योगिता राव, अधिरा रघु ने छात्राओं का मार्गदर्शन किया। छात्राओं ने अपने प्रश्नों के माध्यम से जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया।

प्रभारी प्राध्यापक डॉ. रेशमा लाकेश ने कार्यशाला का संचालन किया। इस अवसर पर प्राध्यापकों के साथ ही स्नातकोत्तर कक्षाओं की 150 छात्राओं ने भाग लिया। कार्यशाला के दूसरे दिन छात्राओं को स्वयं केक बनाने मौका मिलेगा और भी कई व्यंजन बनाए जावेंगे।

'हर घर तिरंगा-घर-घर तिरंगा' अभियान

महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा ''हर घर तिरंगा, घर-घर तिरंगा'' का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि आजादी की 75वीं वर्षगांठ 'आजादी के अमृत महोत्सव' के रूप में मनायी जा रही है। यह आजादी हमें कठिन संघर्षों एवं शहीदों की कुर्बानियों से प्राप्त हुई है। तिरंगा देशभक्ति का प्रतीक है वह आन-बान-शान का प्रतीक है। हमें इसका सम्मान करना चाहिए, इस तिरंगे की रक्षा करनी चाहिए।

''नृत्य विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. ऋचा ठाकुर ने तिरंगे के इतिहास के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान करते हुए कहा कि पिंगलि वैंकया द्वारा कल्पित यह तिरंगा 22 जुलाई 1947 को अंगीकृत किया गया उन्होनें तिरंगे की डिजाईन में हुए परिवर्तनों का उगेख करते हुए सिस्टर निवेदिता, रचीन्द्रकुमार बोस एवं भीकाजी कामा द्वारा बनाए गए झंडे की आकृतियों में परिवर्तन की जानकारी दी। हिन्दी विभाग की श्रीमती ज्योति भरणे ने तिरंगे के तीनों रंगों का महत्व बताते हुए कहा कि केसरिया रंग ऊर्जा एवं शक्ति की प्रतीक है, सफेद रंग शांति का प्रतीक है और हरा रंग समृद्धि तथा अशोक चक्र निरन्तर कर्म करने का प्रतीक है। अतः हम सबको तिरंगे के तीनों रंगों से प्रेरणा लेते हुए देशहित में सदैव कार्य करना चाहिए।

मुंशी प्रेमचंद जयंती मनायी गयी

महाविद्यालय में हिन्दी विभाग द्वारा 'मुंशी प्रेमचंद' जयन्ती का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने कहा - कि मुंशी प्रेमचंद के साहित्य में शोषितों, पीड़ितों व दलितों का उल्लेख मिलता है। समाज में जो वास्तविकता व यथार्थ है वह सब उनके साहित्य में मिलता है उन्होनें छात्राओं को कहा कि - प्रेमचन्द के साहित्य का अध्ययन कर उनके साहित्य से हमें प्रेरणा लेनी चाहिये। पुस्तकालय में उनके साहित्य से संबंधित सभी तरह की पुस्तकें उपलब्ध है। उन्होनें प्रेमचन्द ही नहीं अपितु अन्य साहित्यकारों के साहित्य के अध्ययन के साथ-साथ अन्य विषयों का अध्ययन कर ज्ञानार्जन करना चाहिए।

डॉ. ऋचा ठाकुर ने कहा कि प्रेमचन्द का साहित्य विशाल व विस्तृत है उनका आदर्श केवल उनके कलम तक सीमित नहीं था, अपितु वास्तविक जीवन में भी उनका आदर्श वही था तथा तभी तो वह एक विधवा से पुनर्विवाह करते है। उन्होनें हिन्दी कहानी व उपन्यासों के माध्यम से यथार्थवादी परंपरा की नींव रखी। उन्होनें कहा कि 15 उपन्यास 300 से अधिक कहानियाँ, तीन नाटक, 10 अनुवाद, 10 बाल पुस्तकें, हजारों पृष्ठों के लेख संपादकीय, भाषण, भूमिका पत्र लिखे इसलिए उन्हें कथा सम्राट कहा जाता है। श्रीमती ज्योति भरणे ने कहा कि - प्रेमचंद ने उपन्यासों को मानव जीवन की पृष्ठभूमि में प्रतिष्ठित किया, उन्होनें उपन्यासों के माध्यम से किसानों की आर्थिक व्यवस्था, सामाजिक कुरीतियाँ, हिन्दू-मुस्लिम ऐक्य, विविधताओं व वेश्या की समस्याओं आदि का वर्णन किया जो उनके साहित्य में मिलता है। कार्यक्रम का संचालन कुमारी हर्षिता साहू व आभार डॉ. यशेश्वरी ध्रुव ने किया। इस अवसर डॉ. सुचित्रा खोब्रागड़े, डॉ. मुक्ता बाखला, डॉ. मोनिया राकेश व विमल यादव उपस्थित थे।

मोनिका ने रचा इतिहास

महाविद्यालय में बी.ए. द्वितीय वर्ष की छात्रा कु. मोनिका ने राष्ट्रीय सायकल पोलो प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया। उक्त प्रतियोगिता भारतीय सायकल पोलो फेडरेशन द्वारा कोयम्बटूर तमिलनाडु में दिनांक 21 जुलाई से 24 जुलाई 2022 तक आयोजित की गयी थी। मोनिका ने इस प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर स्वर्ण पदक प्राप्त किया। मोनिका पहले भी कई फेडरेशन कप प्रतियोगिता में पदक जीत चुकी है। कु. मोनिका कक्षा आठवी से सायकल पोलो खेल रही है।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी, क्रीड़ा समिति की संयोजिका डॉ. सुचित्रा खोब्रागड़े, श्री गणेश नायक, क्रीड़ाधिकारी डॉ. ऋतु दुबे ने मोनिका की इस उपलब्धि पर उसे शुभकामनायें दी और उज्जवल भविष्य की कामना की।

डॉ. ऋतु दुबे का ऑल इंडिया टेबल टेनिस के लिये चयन हुआ

कन्या महाविद्यालय की क्रीड़ाधिकारी डॉ. ऋतु दुबे का चयन ऑल इंडिया सिविल सर्विसेज टेबल टेनिस खेल हेतु हुआ। यह प्रतियोगिता दिनांक 24 जून से 28 जून तक आगरा उत्तरप्रदेश के एकलव्य इंडोर स्टेडियम में आयोजित है।

ऋतु दुबे इस प्रतियोगिता में ओपन टीम में चयनित हुई है जबकि पिछली प्रतियोगिता में वेटरन ग्रुप में भाग लिया था। इस प्रतियोगिता के लिए चयन स्पर्धा दिनांक तेरह जून को रायपुर सप्रे हॉल में आयोजित की गई थी। ओपन में टीम इवेंट के साथ सिंगल्स में भी भाग लेंगी। डॉ. दुबे गत चार वर्षों से लगातार भाग ले रही है।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चंद्र तिवारी, महाविद्यालय क्रीड़ा समिति के संयोजक डॉ. के.एल. राठी, डॉ. सुचित्रा खोब्रागडे, डॉ. ऋचा ठाकुर एवम समस्त परिवार ने हर्ष व्यक्त किया और अपनी शुभकामनाएं दी।

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस

महाविद्यालय में अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में महाविद्यालय के प्राध्यापक, कर्मचारी एवं विद्यार्थियों ने सामूहिक रूप से योगाभ्यास किया। क्रीड़ाधिकारी एवं योग प्रशिक्षण प्रभारी डॉ. ऋतु दुबे ने योग के महत्व को रेखांकित किया। महाविद्यालय में महिलाओं के स्वास्थ्य के लिये योग पर सर्टिफिकेट कोर्स भी प्रारंभ किया गया जिसकी पहली बैच को प्रमाण पत्र दिए गए।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने नए सत्र में योग की नियमित कक्षाओं का संचालन एवं सर्टिफिकेट कोर्स द्वारा प्रशिक्षित करने की जानकारी दी। इस अवसर पर योग प्रशिक्षक कु. विद्या को सम्मानित किया गया।

छत्तीसगढ़ के लोक पर्व हरेली के उपलक्ष्य में गेड़ी एवं फुगड़ी प्रतियोगिता का आयोजन

महाविद्यालय दुर्गमें क्रीड़ा विभाग द्वारा 'छत्तीसगढ़ के लोक पर्व हरेली' के उपलक्ष्य में स्थानीय खेलों को बढ़ावा देने हेतु गेड़ी एवं फुगड़ी प्रतियोगिता आयोजित की गई।

जिसमें फुगड़ी प्रतियोगिता में छात्राओं ने उत्साह से भाग लिया। इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर कु. दिव्या देशमुख, बी.ए.-II, द्वितीय स्थान पर कु. सीमा कोमरे, बी.ए.-III, कु. उर्मिला साहू, बी.ए.-II तृतीय स्थान पर रहे।

गेड़ी चलाओं प्रतियोगिता में छात्राओं की हिस्सेदारी देखते बनती थी। जिसमें कु. भावना बंजारे ने प्रथम तथा कु. खुशबू साहू एवं कु. नम्रता बंजारे ने क्रमशः द्वितीय एवं स्थान पर रहे।

इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने छात्राओं को हरेली पर्व की परम्परा को बताया साथ ही उसका वैज्ञानिक कारण भी बताया और छात्राओं को कहा कि हमें अपनी परम्पराओं से जुड़ना चाहिये और उसे जीवित रखना चाहिए। उन्होनें हरेली की शुभकामनायें दी तथा विजेता एवं उपविजेता स्थान प्राप्त छात्राओं को पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र का वितरण किया। निर्णायक के रूप में डॉ. ऋचा ठाकुर, प्राध्यापक उपस्थित थी। कार्यक्रम का संचालन डॉ. ऋतु दुबे, क्रीड़ाधिकारी एवं अभार प्रदर्शन डॉ. सुचित्रा खोब्रागड़े ने किया। महाविद्यालय के कर्मचारी श्री बल्ला वैष्णव एवं विजय चन्द्राकर ने मेहनत कर गेड़ियाँ बनाई।

लाईब्रेरी ऑटोमेशन पर कार्यशाला

महाविद्यालय में पुस्तकालय एवं सूचना विभाग के तत्वाधान में लाईब्रेरी आटोमेशन पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। महाविद्यालय की ग्रंथपाल डॉ. रीता शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों को Soul Software के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी एवं प्रशिक्षण दिया गया।

कार्यशाला में शासकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय, देवरी भाटापारा की ग्रंथपाल कु. शशि ब्रजपुरिया ने प्रशिक्षण दिया।

उल्लेखनीय है कि महाविद्यालय द्वारा शासकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय भाटापारा से शैक्षणिक अनुबंध किया है। इस कार्यशाला में सेठ रतनचंद सुराना महाविद्यालय एवं कल्याण महाविद्यालय की छात्राओं ने भी सहभागिता की।

महाविद्यालय के प्राध्यापक श्री गणेश राम नायक, डॉ. सुषमा यादव, डॉ.एम.एल. प्रसुन्ना, डॉ. भावना वर्मा तथा बी.लिब एवं एम.लिब. की छात्राओं ने भाग लिया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने कार्यशाला में संबोधित करते हुए ग्रंथालय के आधुनिकीकरण के महत्व एवं उपयोगिता को बताते हुए प्रतिभागियों को बधाई दी।

आपदा प्रबंधन जागरूकता कार्यक्रम

महाविद्यालय कर यूथ रेडक्रॉस इकाई द्वारा आपदा प्रबंधन जागरूकता कार्यक्रम के अवसर पर विभिन्न आयोजन किय गए। जिसमें छात्राओं के लिए प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर अपने संबोधन में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने कहा कि आपदा प्रबंधन का कार्य अलग-अलग स्तर पर किया जाता है। अन्तर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय स्तर पर जहाँ प्राधिकरण कार्यरत है वहीं घरेलू एवं सामुदायिक स्तर पर भी प्रबंधन हेतु संगठन कार्य कर रहे हैं। जिनका मुख्य उद्देश्य जीवन सुरक्षा, बचाव की पूर्व तैयारी, आपदा के बाद सामान्य जीवन की ओर लौटाना है। सभी को स्वस्थ एवं सुरक्षित जीवन प्रदान करना है।

प्रभारी प्राध्यापक डॉ. रेशमा लोकेश ने कहा कि आपदा उन दुर्घटनाओं या गंभीर घटनाओं से संबंधित है जो प्राकृतिक या मानवीय कारणों से होती है।

आपदा प्रबंधन आपदाओं के प्रभावों को कम करने की एक सतत् प्रक्रिया है जो सामूहिक प्रयासों से सफल होती है।

उन्होनें जानकारी दी कि शीघ्र ही विशेषज्ञों के द्वारा इसकी ट्रेनिंग दी जावेगी।

महाविद्यालय की प्राध्यापक श्रीमती ज्योति भरणे ने कहा कि प्राकृतिक पंच तत्वों- पृथ्वी, जल, आकाश, वायु, अग्नि से सदैव सचेत रहना चाहिए तथा उन्होनें कहा कि आपदाएँ समय-समय पर आती है जिसके बचाव के लिए जानकारी का होना आवश्यक है। इस अवसर पर यूथ रेडक्रॉस की वालिंटियर तथा अनेक छात्राएँ उपस्थित थी जिन्होनें प्रश्नों के माध्यम से जानकारी प्राप्त की।

विश्व रक्तदाता दिवस

महाविद्यालय मेंविश्व रक्तदाता दिवस पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये गये। इस अवसर पर छात्राओं ने पोस्टर बनाये जिसकी प्रदर्शनी गैलरी में लगाई गई।

यूथ रेडक्रॉस प्रभारी डॉ. रेशमा लाकेश द्वारा लिखित पुस्तक का विमोचन किया गया।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने कहा कि युवा वर्ग इस रक्तदान के पुण्य कार्य में आगे आये। रक्तदान, जीवनदान है जिससे हमारे समाज की आवश्यकताओं की पूर्ति होती है वहीं हमें मानसिक संतुष्टि भी प्राप्त होती है। उन्होनें बताया कि नियमित रूप से महाविद्यालय के यूथ रेडक्रॉस द्वारा रक्तदान हेतु जागरूकता एवं अन्य कार्यक्रम किये जाते है।

प्रभारी प्राध्यापक डॉ. रेशमा लाकेश ने बताया कि इस पुस्तक में रक्तदान के शारीरिक एवं सामाजिक लाभ की जानकारी दी गई है, कौन, कैसे और कब रक्तदान कर सकता है, बताया गया है। साथ ही उन मिथ्य एवं भ्रांतियों को दूर करने का प्रयास किया गया है जिसके कारण लोग रक्तदान जैसे महादान से घबराते है। रक्तदान शरीर को कमजोर करता है पूर्णतः निरर्थक है अपितु इससे अनेक लाभ जैसे हार्ट-अटैक की संभावनाएँ कम होना, एनर्जी लेवल बढ़ता है अनेक रोगों से बचाव होता है। इस अवसर पर छात्राओं एवं कार्यरत स्टॉफ द्वारा शपथ ग्रहण किया गया जिसमें रक्तदान कर जरूरत मंदों को जीवनदान देने की शपथ ली गई।

योग पर शॉर्ट टर्म कोर्स 'महिलाओं के स्वास्थ्य हेतु योग'

महाविद्यालय दुर्ग के क्रीड़ा विभाग द्वारा योग पर शार्ट टर्म कोर्स 'महिलाओं के स्वास्थ्य हेतु योग' प्रारंभ किया गया है।

महिलाओं के स्वास्थ्य हेतु योग विषय पर आधारित 30 घंटे का यह सर्टिफिकेट कोर्स दिनांक 17 जून तक आयोजित किया जा रहा है। इस कोर्स में योग के प्राणायाम तथा विभिन्न आसन सिखाये जा रहे हैं। जो स्वास्थ्य के लिये लाभदायक है। इसके अंतर्गत प्राणायाम, मुद्रा, हठयोग, योग आसन, सूर्य नमस्कार तथा महिलाओं की समस्याओं से संबंधित विशेष आसन का भी प्रशिक्षण दिया जा रहा है। योग के माध्यम से कैसे वजन कम किया जा सकता है तथा मानसिक योग से कैसे स्वस्थ रहा जाये बताया गया है।

विषय-विशेषज्ञ के रूप में युवा योगी पंकज यादव, सेठ रतनचंद सुराना महाविद्यालय दुर्ग, श्रीमती नीरा सिंह, शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्वाशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग, मंजू झा एवं डॉ. राजीव चौधरी, प्राध्यापक, पं. रविशंकर शुक्ल विश्व विद्यालय, रायपुर, विद्या वर्मा, योग प्रशिक्षक छात्राओं को सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक रूप से योग में शिक्षित करेंगे। यह कोर्स क्रीड़ा विभाग एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित किया जा रहा है।

उद्घाटन सत्र में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने छात्राओं को योग के माध्यम से शारीरिक एवं मानसिक रूप से सबल बनाये जाये ताकि वे समाज में अपना योगदान अलग से बना सके। राष्ट्रीय सेवा योजना की डॉ. सुचित्रा खोब्रागड़े एवं डॉ. ऋचा ठाकुर ने छात्राओं को योग का महत्व बताया एवं योग को दैनिक दिनचर्या में अपनाने हेतु समझाया। प्रथम दिवस श्री पंकज यादव, सहायक प्रा. सेठ रतनचंद सुराना महाविद्यालय, दुर्ग ने योग क्या है, योग की उपत्पत्ति, योग के जनक योग में प्राण वायु का उपयोग सांस के नियंत्रण आदि पर प्रकाश डाला एवं प्राणायाम के सभी आसनों का महत्व बताया एवं उसका अभ्यास कराया। श्रीमती नीरा सिंह द्वारा महिलाओं के स्वास्थ्य के संबंध में प्रकाश डाला एवं अभ्यास कराया। विद्या वर्मा द्वारा योग के माध्यम से वजन कम करने के विशेष आसन बताये गये एवं उनका अभ्यास लगातार कराया गया। इस कोर्स के अंत में वस्तुनिष्ठ परीक्षा आयोजित की जायेगी।

कॉलेज में क्रीड़ा विभाग द्वारा कॅरियर गाईडेंस कार्यक्रम

महाविद्यालय में क्रीड़ा विभाग द्वारा कॅरियर गाईडेंस कार्यक्रम का आयोजन खिलाड़ी छात्राओं के लिये नये सत्र के आरंभ में किया गया।

इस कार्यक्रम की अध्यक्षता क्रीड़ा समिति के संयोजिका डॉ. सुचित्रा खोब्रागड़े ने की। उन्होनें कहा कि क्रीड़ा के क्षेत्र में बहुत अधिक संभावनाये हैं छात्रायें मेहनत करके अपना कॅरियर बना सकती हैं।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने कहा कि अन्य विषयों की तरह खिलाड़ी छात्राओं के लिये कॅरियर गाईडेंस प्रोग्राम का आयोजन होना चाहिए ताकि खिलाड़ियों को समस्त जानकारी प्राप्त हो सके।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. ऋचा ठाकुर ने छात्राओं को अपनी प्रोफाईल कैसे बनाये एवं प्रमाण-पत्रों का संधारण कैसे करें ताकि अच्छी प्रस्तुति हो सके।

कार्यक्रम में क्रीड़ाधिकारी डॉ. ऋतु दुबे ने बताया कि शारीरिक शिक्षा विषय के क्षेत्र में स्नातक के बाद क्या करना चाहिये ताकि उसे कॅरियर के रूप में अपना सके। डॉ. दुबे ने बताया कि बी.पी.एड., डिप्लोमा, योगा कोर्स, स्पोर्ट्स मैनेजेमन्ट कोर्स, ऐरोबिक जूम्बा, प्राकृतिक चिकित्सा, जिम ट्रेनर, फिजियोथैरेपी कोर्स किये जा सकते है। यह कोर्स किन-किन विश्वद्यालय में संचालित है एवं फीस की जानकारी दी गई।

शारीरिक शिक्षा के क्षेत्र में क्रीड़धिकारी कैसे बन सकते है। बी.पी.एड. प्रवेश परीक्षा शारीरिक दक्षता की तैयारी कैसे करें विस्तृत रूप से बताया गया। खिलाड़ियों की जिज्ञासाओं का समाधान भी किया गया।

कार्यक्रम का संचालन क्रीड़ाधिकारी ने किया तथा आभार प्रदर्शन क्रिकेट खिलाड़ी गरिमा जंघेल ने किया।

विश्व जनसंख्या दिवस

महाविद्यालय में यूथ रेडक्रॉस के तत्वाधान से 'बढ़ती जनसंख्या नियंत्रण जागरूकता में युवाओं की भूमिका' पर संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने अपने संदेश में कहा कि बढ़ती जनसंख्या का दुष्परिणाम जैसे गरीबी, कुपोषण, अशिक्षा, बेरोजगारी आदि देश के विकास में बाधा उत्पन्न कर रहे हैं अतः ये आवश्यक हो गया है कि युवा इस समस्या के निवारण में अपनी भूमिका निभायें एवं जनसंख्या नियंत्रण जागरूकता की दिशा में सक्रिय पहल करे। यूथ रेडक्रॉस प्रभारी डॉ. रेशमा लाकेश ने बताया कि इस दिवस को मनाने का मुख्य उद्देश्य दुनिया भर में बढ़ती आबादी से जुड़ी समस्याओं के प्रति लोगों को जागरूक करना है। साथ ही यह आवश्यक है कि छात्रायें शारीरिक, मानसिक एवं आर्थिक रूप से परिपक्व होने के पश्चात ही माँ बनने का कठिन दायित्व ग्रहण करें। और उचित लालन-पालन कर समाज को श्रेष्ठ नागरिक प्रदान करें। श्रीमती वंदना बंजारे ने विवाह की आयु बढ़ाने, छोटा परिवार सुखी परिवार एवं परिवार नियोजन के महत्व की जानकारी दी। छात्रा कु. उर्वशी निर्मल ने शिक्षा का अभाव जनसंख्या वृद्धि का एक बड़ा कारण बताया जबकि फातिमा निजामी ने

रूढ़ीवादी सोच एवं लड़के की चाह, कु. रेणु सिन्हा ने कहा कि वंश आगे बढ़ाने के लिये पुत्र प्राप्ति को दोषी माना गया है। एकता के अनुसार युवाओं में परिवार नियोजन की जानकारी का अभाव इस समस्या को बढ़ा रहा है। कु. सुरूचि साहू ने इस वर्ष की थीम '8 बिलियन की दुनिया सभी के लिये एक लचीले भविष्य की ओर अवसरों का दोहन और सभी के लिये अधिकार और विकल्प सुनिश्चित करना' बताया।

''विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस पर संगोष्ठी का आयोजन''

महाविद्यालय के गृहविज्ञान विभाग द्वारा विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य एवं मुख्य अतिथि डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने वर्तमान समय में पौष्टिक एवं संतुलित आहार ग्रहण करने के लिए जागरूकता आवश्यक है क्योंकि संतुलित एवं ताजा आहार निरोगी काया के लिए आवश्यक है साथ ही खाद्य अन्न की बर्बादी रोकना भी आवश्यक है।

डॉ. रेशमा लाकेश ने बताया कि संयुक्त राष्ट्र ने खाद्य जनित जोखिमों को रोकने, पता लगाने और प्रबंध करने और मानव स्वास्थ्य में सुधार के लिए ध्यान आकर्षित करने और कार्यवाही करने के लिए वैश्विक विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस मनाया जाता है इस वर्ष का विषय है 'सुरक्षित भोजन, बेहतर स्वास्थ्य' डॉ. अल्का दुग्गल ने सभी लोगों को दोनों समय पर्याप्त मात्रा में भोजन उपलब्ध कराना ताकि वे सक्रिय व स्वस्थ जीवन व्यतीत कर सके, जिसके लिए आवश्यक है कि वे न केवल समग्र स्तर पर भोजन की पर्याप्त मात्रा उपलब्ध हों, बल्कि व्यक्तियों या परिवारों के पास उपयुक्त क्रय शक्ति भी हो जिससे वे आवश्यकतानुसार खाद्यान्न खरीद सकें। डॉ. मीनाक्षी अग्रवाल ने खाद्यान्न सुरक्षा सभी व्यक्तियों के लिए सभी समय पर सक्रिय और स्वस्थ जीवन के लिए पर्याप्त भोजन की उपलब्धता है। खाद्यान्नों की बढ़ती हुई मांगों की पूर्ति के लिए खाद्यान्न सुरक्षा आवश्यक हो गई है। इस कार्यक्रम में प्राध्यापकगण एवं छात्रायें बड़ी संख्या में उपस्थित थी।

मूर्तिकला पाठ्यक्रम का शुभारंभ

महाविद्यालय में आज नवीन पाठ्यक्रम मूर्तिकला का शुभारंभ उच्च शिक्षा विभाग की आयुक्त श्रीमती शारदा वर्मा के मुख्य आतिथ्य एवं हेमचंद यादव वि.वि. की कुलपति डॉ. अरूणा पल्टा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ।

रोजगार उपयोगी स्नातक पाठ्यक्रम मूर्तिकला की पढ़ाई इस सत्र में महाविद्यालय में प्रारंभ होने जा रही है। प्रदेश में एक मात्र इसी महाविद्यालय में यह पाठ्यक्रम प्रारंभ हो रहा है। अपने संबोधन में श्रीमती शारदा वर्मा ने कहा कि संगीत, नृत्य और फाईन आर्ट के पाठ्यक्रम ज्ञान के साथ ही एक सुख अनुभूति प्रदान करते हैं और वर्तमान स्थिति में ये कॅरियर का बेहतर माध्यम भी है। कुलपति डॉ. अरूणा पल्टा ने इस तरह के पाठ्यक्रम की अनिवार्यता बतलाते हुए कहा कि छात्राओं की रचनात्मकता और प्रतिभा को इस तरह के पाठ्यक्रम प्रोत्साहित करते है। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. तिवारी इस अवसर पर इन पाठ्यक्रमों में स्नातकोत्तर कक्षाओं की आवश्यकता पर जोर दिया। आयुक्त महोदया ने महाविद्यालय के विभिन्न विभागों तथा ऑनेस्टि कॉर्नर का भी अवलोकन किया। नृत्य विभाग में छात्राओं ने विभिन्न प्रस्तुतियाँ दी आयुक्त महोदया ने छात्राओं से चर्चा कर उनसे पाठ्यक्रम संबंधी जानकरियाँ ली। उच्च शिक्षा आयुक्त ने सभी शैक्षणिक स्टॉफ की बैठक को संबोधित किया। अपने संबोधन में उन्होनें महाविद्यालय की उल्लेखनीय उपलब्धियों की प्रशंसा की और आगे भी सभी को महाविद्यालय के सर्वांगीण विकास के लिये तत्पर रहने का आव्हान किया। अतिथि द्वय ने महाविद्यालय परिसर में पौधे भी रोपे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. ऋचा ठाकुर ने किया तथा आभार प्रदर्शन डॉ. डी.सी. अग्रवाल ने किया।

विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया

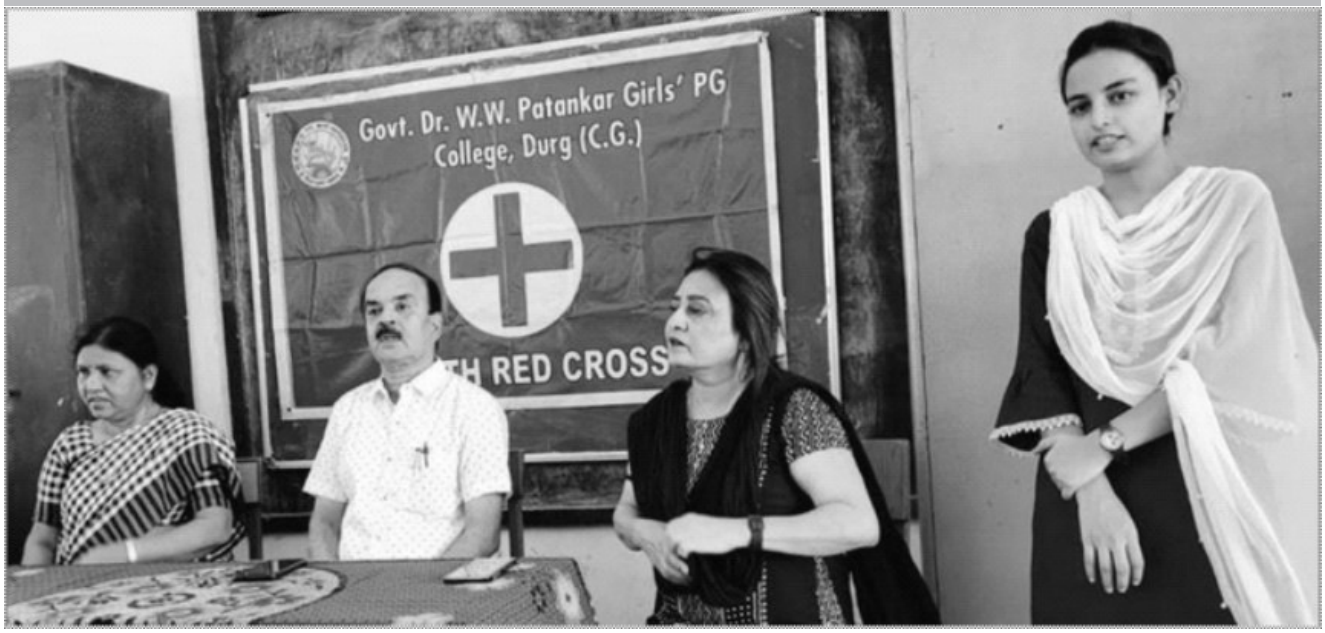

महाविद्यालय के यूथ रेडक्रॉस के तत्वाधान में विश्व पर्यावरण दिवस पर पोस्टर प्रतियोगिता, निबंध प्रतियोगिता एवं परिचर्चा आयोजन किया गया। यूथ रेडक्रॉस के प्रभारी प्राध्यापक डॉ. रेशमा लाकेश ने बताया कि इस प्रकार के आयोजन न सिर्फ युवाओं को जागरूक करने के लिए बल्कि उन्हें अपनी जिम्मेदारी के प्रति आगाह करने के लिए होते है।

महाविद्यालय के प्राचार्य एवं मुख्य अतिथि डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने कहा कि पर्यावरण समस्या इतनी अधिक हो गई है कि हर दिन पर्यावरण दिवस मनाना होगा तथा इस कार्य को युवाओं को गंभीरतापूर्वक करना होगा।

प्रभारी प्राध्यापक डॉ. रेशमा लाकेश ने बताया कि विश्व पर्यावरण दिवस पर विभिन्न प्रतियोगितायें हुई जिसमें पोस्टर प्रतियोगिता में - कु. नोहिल, एम.एससी. चतुर्थ सेम रसायनशास्त्र ने प्रथम स्थान तथा द्वितीय स्थान पर कु. पूर्णिमा बंजारे, एम.एससी. गणित द्वितीय सेम. एवं कु. मनीषा धृतलहरे बी.एससी. गृहविज्ञान- द्वितीय वर्ष, कु. वर्षा साहू, एम.एससी. गणित - द्वितीय सेम., कु. महक परवीन, बी.एससी. गृहविज्ञान- द्वितीय वर्ष और कु. कावेरी कुम्भकार, एम.एससी. द्वितीय सेम. रसायनशास्त्र तृतीय स्थान पर रहे।

निबंध प्रतियोगिता में - कु. पियुषा देशमुख, एम.एससी. द्वितीय सेम गणित ने प्रथम स्थान तथा द्वितीय स्थान पर कु. शबीना बेगम, पीजी डीसीए-द्वितीय सेम. एवं कु. चन्द्रमुखी साहू, बी.एससी. तृतीय वर्ष, कु. राशि देशमुख, एम.एससी. रसायनशास्त्र - चतुर्थ सेम., कु. रूपा कौशल, एम.एससी. चतुर्थ सेम रसायनशास्त्र, और कु. जागृति साहू, बी.एससी. द्वितीय वर्ष (गणित) तृतीय स्थान पर रहे।

कॉलेज में योग शार्ट टर्म कोर्स आयोजित

महाविद्यालय के क्रीड़ा विभाग एवं राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के संयुक्त तत्वाधान में शार्ट टर्म कोर्स 'योगा फॉर वूमेन हेल्थ' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने अपने उद्बोधन में छात्राओं को कहा कि योग का उन्हें निरंतर अभ्यास करना है तथा औरों को भी जागरूक करना है ताकि इसका लाभ समाज के हर वर्ग को मिले। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की आई.क्यू.ए.सी. प्रकोष्ठ की संयोजक डॉ. अमिता सहगल ने किया उन्होनें कहा कि महिलाओं को भी अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता लाना बहुत जरूरी है। योग सहायक प्राध्यापक पंकज यादव ने निरंतर अभ्यास की आवश्यकता की बात कही।

इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. एस.सी. तिवारी एवं अमिता सहगल द्वारा सहभागी छात्राओं को सहभागिता प्रमाण-पत्र वितरित किया गया।

कोर्स के अंतिम दिन छात्राओं से लिखित एवं प्रायोगिक परीक्षा ली गई। सहभागी छात्रा संजना ने कोर्स के उपर अपने विचार प्रगट करते हुए कहा कि यह कोर्स बहुत उपयोगी था। विषय-विशेषज्ञ ने बहुत अच्छा सीखाया मुख्य रूप से डॉ. मंजू झा, रायपुर, श्री पंकज यादव द्वारा, नीरा मैडम एवं विद्या मैडम की क्लास से भी हम लोगों ने बहुत कुछ सीखा। डॉ. ऋतु दुबे क्रीड़ाधिकारी की कक्षा में हम सभी एकमदम रिलेक्स हो गये।

कार्यक्रम में श्रीमती रीता शर्मा, डॉ. सुनीता गुप्ता, डॉ. मिलिन्द अमृतफले, डॉ. योगेन्द्र त्रिपाठी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. ऋतु दुबे एवं डॉ. यशेश्वरी ध्रुव ने किया। कार्यक्रम के अंत में आभार प्रदर्शन डॉ. सुचित्रा खोब्रागड़े ने किया। इस कार्यक्रम को आयोजित करने में श्री बल्ला वैष्णव, श्री विजय चन्द्रकार, श्री विनोद ठाकुर ने सहयोग दिया।

कॉलेज की संजना ने राष्ट्रीय एकता शिविर में भाग लिया

युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार तथा राष्ट्रीय सेवा योजना क्षेत्रीय निर्देशालय भोपाल द्वारा पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर के संयुक्त तत्वाधान में रामचंद्र मिशन आश्रम, अमलेश्वर में राष्ट्रीय एकता शिविर का आयोजन किया गया।

इस शिविर में महाविद्यालय की कु. संजना सिंह का चयन हेमचंद यादव विश्वविद्यालय के प्रतिनिधित्व के लिए किया गया।

शिविर में गुजरात, राजस्थान, महाराष्ट्र, बिहार, उत्तरप्रदेश, झारखण्ड आदि 12 राज्यों से 200 से अधिक स्वयं सेवक शामिल हुए। राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ. यशेश्वरी ध्रुव ने बताया कि शिविर में विभिन्न प्रांतों के स्वयं सेवकों ने कला, संस्कृति व विचारों का आदान-प्रदान किया। बौद्धिक परिचर्चा के अंतर्गत विशेषज्ञों ने स्वयं सेवक प्रबंधन, नेतृत्व क्षमता आदि पर व्याख्यान दिया। सांस्कृतिक एवं साहित्यिक स्पर्धाएँ आयोजित की गई। छत्तीसगढ़ की टीम ने श्रेष्ठ प्रदर्शन किया। पारंपरिक लोकनृत्यों ने प्रदेश के गौरव को बढ़ाया। एक भारत श्रेष्ठ भारत के उद्देश्यों को पूरा करते हुए सांस्कृतिक एवं साहित्यिक आदान-प्रदान उत्कृष्ट रहा। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी एवं कार्यक्रम अधिकारी डॉ. यशेश्वरी ध्रुव, डॉ. सुचित्रा खोब्रागड़े ने संजना सिंह को बधाई दी है।

गर्ल्स कॉलेज में आकर्षि कश्यप का सम्मान

राष्ट्रमण्डल खेलों में बैडमिन्टन की रजत पदक विजेता आकर्षि कश्यप तथा महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. डी.सी. अग्रवाल, जिन्होनें के.बी.सी. राष्ट्रीय क्विज में गौरवशाली स्थान प्राप्त किया है को भी सम्मनित किया गया। मुख्य अतिथि नगर विधायक श्री अरूण वोरा ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि आकर्षि कश्यप जैसी बच्चियाँ अपने लक्ष्य और हौसले, लगातार मेहनत से इस स्थान पर पहुँचती है।

अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी आकर्षि कश्यप ने कहा कि वे स्वयं भी आपके बीच से निकली है। खेल मैदान की समस्याओं से जुझकर भी उन्होनें अपनी मेहनत और लगन नहीं छोड़ी और आगे भी भारत का प्रतिनिधित्व करती रहेंगी। आज ही आकर्षि कश्यप के जन्मदिन का केक समारोह के दौरान काटा गया। सबने पुरजोर शुभकामनाएँ दी।

इस कार्यक्रम का विशेषता थी कि 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' के अन्तर्गत महाविद्यालय के जोड़ीदार राज्य गुजरात के शासकीय महिला पॉलिटेक्नीक, अहमदाबाद (गुजरात) की छात्राओं ने अपनी विशेष प्रस्तुति दी। प्रतियोगिता में प्रथम कु. शारदा यादव, द्वितीय कु. प्रियंका चांदवानी एवं तृतीय कु. अपूर्वा दीक्षित रहीं। वहीं कोरेना संदेश गरबा के माध्यम से देने के लिए विशेष पुरस्कार कु. विभा कसेर को दिया गया। सांत्वना पुरस्कार में कु. काजल, कु. निकिता, कु. प्रियंका, कु. विजयलक्ष्मी, कु. शिवानी तापड़िया का चयन किया गया। सभी प्रतिभागियों को ई-प्रमाणपत्र दिया गया। आभार प्रदर्शन करते हुए डॉ. रेशमा लाकेश ने कहा कि छात्राओं में ऊर्जा और प्रतिभा को उभारने यह प्रयास सराहनीय रहा है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में प्राध्यापक, छात्राएँ जुड़ी।

महिला बॉस्केटबाल में गर्ल्स कॉलेज का उत्कृष्ट प्रदर्शन

महाविद्यालय दुर्ग द्वारा सेक्टर स्तरीय महिला बॉस्केटबाल प्रतियोगिता का फाईनल मैच शास. कन्या महाविद्यालय दुर्ग एवं देव संस्कृति महाविद्यालय खपरी के मध्य खेला गया। शासकीय कन्या महाविद्यालय अच्छे खेल का प्रदर्शन करते हुये 63-38 से विजयी रहा।

विजेता शासकीय कन्या महाविद्यालय की टीम इस प्रकार थी रिया वर्मा (कप्तान), निशा नेताम, पूनम नायक, विद्या वर्मा, रगिनी झा, शशि जैन, अमिशा गिरी, खुशबू असोड़िया, हीना कौसर, जसदीप कौर रंधावा, रितिका निषाद, अर्चना निषाद टीम मैनेजर श्री जागृत ठाकुर, कोच डॉ. ऋतु दुबे थी।

वहीं उपविजेता टीम में रूकसार, डी अनुशा, ज्योति प्रजापति, पी. दिव्या, हिमशिखा थे। मैनेजर आफरीन थी।

प्रेरणा कार्यक्रम के अंतर्गत् व्याख्यान एवं प्रावीण्यता सम्मान

महाविद्यालय में प्रेरणा कार्यक्रम के अंतर्गत वाणिज्य संकाय द्वारा ओजस्वी वक्ता, कॉमर्स गुरू डॉ. संतोष राय का प्रेरक उद्‌बोधन रखा गया। अतिथि वक्ता डॉ. संतोष राय ने अपने प्रेरणास्पद व्यक्तव्य में कहा कि जीवन में सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ने को तत्पर रहें। लक्ष्यहीन होना, उत्साह, ऊर्जा और मनोबल को कम करता है। उन्होनें कहा साधनहीनता कभी भी लक्ष्य प्राप्ति में बाधक नहीं होती। आप प्रेरणा ग्रहण कर ऊँचाई को प्राप्त करें।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने कहा कि हमारी छात्राओं में ऊर्जा की कमी नहीं है उन्हें प्रेरणास्पद व्यक्तित्व के उदाहरणों से सीख लेनी चाहिये। अपनी साथी छात्राओं में भी आगे बढ़ने की सोच पैदा करनी चाहिये।

जनजातीय गौरव दिवस पर आयोजन

आजादी के गौरवशाली इतिहास का दिन है - डॉ. सपना शर्मा

महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत जनजातीय गौरव दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस अवसर पर ''स्वाधीनता संग्राम में जनजातीय नायकों के योगदान'' विषय पर भाषण प्रतियोगिता रखी गयी जिसमें 10 छात्राओं ने अपने विचार रखें। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि एवं वक्ता शा. डॉ. वि.या.ता. स्वशासी महाविद्यालय की प्राध्यापक डॉ. सपना शर्मासारस्वतथी।उन्होनेंअपने संबोधन में कहा कि आदिवासी समाज के लोगों ने आक्रमणकारियों से देश के जल, जंगल, जमीनकोबचाने के लिए संघर्ष किया। वेदेश की आजादी के लिए हंसते-हंसते फांसी पर झूल गए पर देश पर आंच नहीं आने दी। आज का दिन आजादी के गौरवशाली इतिहास का दिन है। भगवान बिरसा मुंडा के शौर्य और संघर्ष ने देश की संस्कृति परम्परा को बचाये रखने का काम किया है।

हिन्दी विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. यशेश्वरी ध्रुव ने भीअपने संबोधन में आदिवासी समाज की महिलाओं के महत्वपूर्ण योगदान की चर्चा की। डॉ. मोनिया राकेश, डॉ. मुक्ता बा ख्ला ने भी इस अवसर पर अपने विचार रखें।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशीलचन्द्र तिवारी ने कहा कि इस तरह के आयोजनों से ही हमारे विद्यार्थियों को देश की संस्कृति एवं विभिन्न क्षेत्रों के लोगों

द्वारा देश की आजादी के लिए दिए गए बलिदानों के बारे में जानकारी मिलती है।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. ऋचा ठाकुर ने किया। भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर कु. ऋतु यादव तथा कु. मेघा साहू द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर कु. भाग्य श्री, कु. तनु कटारिया रहीं। आभार प्रदर्शन डॉ. शबीना बेगम ने किया।

पिंक अक्टूबर का आयोजन

महाविद्यालय के यूथ रेडक्रॉस विभाग द्वारा पिंक अक्टूबर का आयोजन किया गया। यूथ रेडक्रॉस की प्रभारी डॉ. रेशमा लाकेश ने बताया कि भारत में हर दस में से एक महिला ब्रेस्ट कैंसर से पीडित है और विशेषज्ञों का मानना है कि इससे पींड़ित महिलाओं की संख्या में तेजी से बढ़ोत्तरी हो रही है। इस रोग की गंभीरता को देखते हुए इसकी जागरूकता के लिए सम्पूर्ण अक्टूबर माह पिंक अक्टूबर के रूप में मनाया जाता है।

इस तारतम्य में छात्राओं हेतु यूथ रेडक्रॉस द्वारा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने कहा कि अव्यवस्थित जीवनशैली और जागरूकता की कमी के कारण वर्तमान युवा पीढ़ी अनेक शारीरिक एवं मानसिक रोगों से ग्रसित हो रही है। अतः ये आवश्यक है कि नियमित दिनचर्या, उचित खानपान, व्यायाम, योगा को अपनी जीवनशैली का हिस्सा बनावें।

महात्मा गांधी के दुर्लभ अभिलेखों की प्रदर्शनी

महाविद्यालय के इतिहास विभाग द्वारा महात्मा गांधी के यादगार दुर्लभ अभिलेखों की एक प्रदर्शनी आयोजित की गई। भिलाई स्टील प्लान्ट में कार्यरत् श्री आशीष दास द्वारा गांधी जी से संबंधित विशिष्ट अभिलेखों का संग्रहण किया गया है।

उनके संचालन में यह प्रदर्शनी आयोजित की गई। श्री आशीष दास देश के प्रसिद्ध स्टैम्प, मुद्रा एवं विशिष्ट अभिलेखों के संग्रहणकर्ता है। उनके द्वारा साप्ताहिक अंग्रेजी पत्रिका, यंग इंडिया, गुजराती साप्ताहिक पत्रिका 'नवजीवन' पत्रिका-हरिजन, हरिजन-सेवक, हरिजन बंधु, मासिक पत्रिका ग्राम उद्योग पत्रिका (हिन्दी एवं अंग्रेजी दोनों) इत्यादि दुर्लभ संग्रह प्रदर्शनी हेतु रखे गये थे। गांधी जी की टाइम (1930) न्यूज वीक (1947) मुंडो (1948), रूस (1937) मैग्जीन में प्रकाशित फोटो का संग्रहण भी अवलोकनार्थ रखा गया।

डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी, प्राचार्य, शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय दुर्ग (छ.ग.) द्वारा प्रकाशित तथा विकल्प विमर्श, रायपुर द्वारा मुद्रित। (केवल आंतरिक वितरण हेतु)
फोन 0788-2212207 फैक्स 0788 2212207 Email- govtgirlspgcollege@gmail.com , Website : www.govt.girlspgcollegedurg.com